04 - संकट में है विश्व शांति

05 - जनक नंदिनी सीता को बनाएं अपना आदर्श

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2024

06 - शहर में नवरात्रि की धूम, देवी प्रतिमाओं के दर्शनों के लिए उमड़ रही...

07- माँ गढ़ कालिका के आंगन में मातृशक्ति के उमड़े...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-43 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

उमर अब्दुल्ला : लोस चुनाव में हार के बाद जबरदस्त वापसी, क्या हैं चुनौतियां?

दिलनवाज़ पाशा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के नतीजे स्पष्ट होते ही जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फ़ारूक़ अब्दुल्ला ने कहा कि उमर अब्दुल्ला ही जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख राजनीतिक परिवार से आने वाले 54 साल के उमर अब्दुल्ला दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। पहली बार वे 2009 में मुख्यमंत्री बने थे। जम्मू-कश्मीर में दस साल के अंतराल के बाद चुनाव हुए हैं और इसके विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हुए भी पांच साल हो चुके हैं। जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, '2018 के बाद एक लोकतांत्रिक सेट-अप जम्मू-कश्मीर का चार्ज लेगा। बीजेपी ने कश्मीर की पार्टियों को निशाने पर लिया, ख़ासतौर पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को। हमें कमज़ोर करने की कोशिश की गई। हमारे खिलाफ़ पार्टियों को खड़ा करने का भी प्रयास हुआ लेकिन इन चुनावों ने उन सब कोशिशों को मिटा दिया है।'

उमर अब्दुल्ला इस साल हुए लोकसभा चुनावों में बारामुला से उम्मीदवार थे लेकिन वो उस समय तिहाड़ जेल से चुनाव लड़ रहे इंजीनियर रशीद से चुनाव हार गए थे। राज्य को संविधान के तहत विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को भारतीय जनता पार्टी सरकार ने पांच अगस्त 2019 को समाप्त कर दिया था। जम्मू-कश्मीर अब पूर्ण राज्य नहीं है बल्कि केंद्र शासित प्रदेश है और लद्दाख इस क्षेत्र से अलग हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर की सरकार भी अब बहुत हद तक उपराज्यपाल के ज़रिए केंद्र सरकार के नियंत्रण में होगी और मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला के पास करने के लिए बहुत कुछ नहीं होगा। हालांकि विश्लेषक ये मान रहे हैं कि उमर अब्दुल्ला ये संदेश देने में कामयाब रहे हैं कि कश्मीर के लोग अब भी उन पर विश्वास कर रहे हैं। लेकिन इस साल जुलाई तक अब्दुल्ला कह रहे थे कि वो चुनाव नहीं लड़ेंगे, क्योंकि जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्र शासित प्रदेश है। उन्होंने मीडिया से कहा था, 'मैं एक पूर्ण राज्य का मुख्यमंत्री रहा हूं। मैं खुद को ऐसी स्थिति में नहीं देख सकता, जहां मुझे उपराज्यपाल से चपरासी चुनने के लिए कहना पड़े या बाहर बैठकर फाइल पर उनके हस्ताक्षर करने का इंतजार करना पड़े।'

शोधकर्ता और लेखक मोहम्मद यूसुफ़ टेंग मानते हैं कि ये कश्मीर के लिए अहम पड़ाव है और इन चुनावों ने ये संदेश दिया है कि कश्मीर की पहचान से समझौता नहीं किया जा सकता है। यही कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। कश्मीर के लोगों ने ये बताया है कि उनके पास जो मताधिकार है, वो उसका अपनी मर्ज़ी से इस्तेमाल करेंगे।

हालांकि कश्मीर के बदले राजनीतिक हालात में,अब जो मुख्यमंत्री होगा, उसके पास बहुत सीमित राजनीतिक ताक़त ही होगी। राजनीतिक रूप से भले ही उमर अब्दुल्ला बहुत ताक़तवर न रहें लेकिन फिर भी प्रतीकात्मक रूप से उनकी पार्टी की ये जीत बहुत अहम है। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू-कश्मीर में उप-राज्यपाल का पद बहुत ताक़तवर है, मुख्यमंत्री को उसके मातहत ही काम करना होगा, लेकिन बावजूद इसके, उमर अब्दुल्ला ये संदेश देने में तो कामयाब ही रहे हैं कि कश्मीर की जनता की पसंद वो ही हैं। टेंग कहते हैं, 'उमर अब्दुल्ला के अपने हाथ में क्या होगा, वो एक क्षेत्रीय नेता हैं, लेकिन कश्मीर में सरकार दिल्ली से चल रही है। बावजूद इसके, वो कश्मीर के लोगों के नेता हैं और यहां की जनता की उम्मीदों का बोझ उन पर ही होगा।'

चुनाव अभियान के दौरान जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कई वादे किए थे। इनमें सबसे अहम वादा कश्मीर के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ना और रोज़गार के बेहतर मौक़े पैदा करना है।

पिछले पांच साल से उपराज्यपाल के दफ़्तर से कश्मीर में प्रशासन चल रहा है. आम लोगों ने अपने आप को सत्ता से दूर महसूस किया। टेंग कहते हैं, 'उमर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वो लोगों को ये अहसास करा पाएं कि अब सत्ता और शासन उनके क़रीब है।' नेशनल कॉन्फ्रेंस ने लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दोबारा दिलाने के लिए जद्दोजहद करने का वादा भी किया है। इन वादों को पूरा करने का बोझ भी उमर अब्दुल्ला के कंधों पर ही होगा।

उमर अब्दुल्ला का जन्म 10 मार्च 1970 को न्यूयॉर्क के रोचेस्टर में हुआ था। उनके परिवार के पास जम्मू-कश्मीर में लंबी राजनीतिक विरासत है। उमर के दादा शेख अब्दुल्ला प्रमुख कश्मीरी नेता और राज्य के पहले प्रधानमंत्री थे। परिवार के राजनीतिक इतिहास को देखते हुए राजनीति में उमर का आना स्वभाविक ही था। उमर ने साल 1998 में श्रीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और 28 साल की उम्र में संसद पहुंच गए। उमर अब्दुल्ला देश के सबसे युवा सांसदों में से एक थे। वो अटल बिहारी वाजयेपी की सरकार में राज्यमंत्री भी रहे। इसके अगले साल ही वो नेशनल कॉन्फ्रेंस की यूथ विंग के अध्यक्ष बन गए और उन्हें सिर्फ़ अपनी पार्टी के भीतर ही नहीं बल्कि देश में भी पहचान मिली।

इसके ठीक दस साल बाद, साल 2009 में जब नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार आई तब युवा उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने। अपने पहले मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उमर अब्दुल्ला ने शिक्षा, ढांचागत विकास और स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी क़दम उठाए। लेकिन उमर अब्दुल्ला के लिए सबकुछ आसान नहीं था। भारतीय संसद पर हमल के अभियुक्त अफ़ज़ल गुरु को फांसी दिए जाने और साल 2010 में जम्मू-कश्मीर में पैदा हुए तनावपूर्ण हालात ने उनके सामने मुश्किल चुनौतियां पेश की। 2010 में कश्मीर में फिर से उठे अलगाववाद से निपटने में भी वो बहुत कामयाब नहीं रहे और इसका खामियाज़ा उन्हें अगले चुनावों में भुगतने को मिला। 2014 विधानसभा चुनावों में पार्टी की बुरी हार के बावजूद वो नेशनल कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहे।

2019 में जब केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त किया और अनुच्छेद 370 को हटा दिया तो वो सरकार के इस फ़ैसले के खिलाफ़ एक मज़बूत राजनीतिक आवाज़ बनकर उभरे। उमर अब्दुल्लाह लंबे समय तक नज़रबंद भी रहे। बावजूद इसके, वो ये संदेश देते रहे कि कश्मीर के लोग विशेष राज्य का दर्जा समाप्त किए जाने के केंद्र सरकार के फ़ैसले को कभी स्वीकार नहीं करेंगे और इसका विरोध जारी रखेंगे। अब एक बार फिर सत्ता की कमान उनके हाथ में होगी, लेकिन इस बार उनके सामने सिर्फ़ हालात ही अलग नहीं होंगे बल्कि चुनौतियां भी नई होंगी।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मुसलमानों की जातियों पर कभी क्यों नहीं बोलती कांग्रेस : पीएम

मोदी बोले-चुनाव जीतने के लिए हिंदुओं के बीच नफरत फैला रही कांग्रेस

पीएम बोले-कांग्रेस ने जीत के लिए हिंदू समाज में जहर घोलने का फॉर्मूला गढ़ा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर कांग्रेस के सामने बड़ी मुश्किल खड़ी कर दी है कि अगर उसे सामाजिक न्याय की चिंता है तो वह मुसलमानों की जातियों का जिक्र कभी क्यों नहीं करती है। प्रधानमंत्री की तरफ से मुस्लिम जातियों की बात करना बीजेपी की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हिंदुओं को जातियों में बांटने की षडयंत्रकारी कोशिशों का आरोप लगाया और कहा कि सत्ता में लौटने के लिए यह पार्टी हिंदू समाज में जहर बो रही है। मोदी महाराष्ट्र में 76 अरब की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

मुसलमानों की जातियों पर कांग्रेस से पहली बार कड़ा सवाल

इसके बाद पीएम ने जो कहा, वह मुस्लिम वोट बैंक के लिए किसी भी सीमा को लांघने को तैयार कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों के लिए बड़ी चिंता का सबब बन सकता है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस आखिर मुस्लिम जातियों की बात क्यों नहीं करती है। उन्होंने कहा, मोदी ने कांग्रेस के एक भी नेता ने आज तक कभी नहीं कहा कि हमारे मुस्लिम भाई-बहनों में कितनी जातियां होती हैं। मुस्लिम जातियों की बात आते ही कांग्रेस नेता मुंह पर ताला लगाकर बैठ जाते हैं। लेकिन जब भी हिंदू समाज की बात आती है तो कांग्रेस उनकी चर्चा जाति से ही शुरू करती है।

नफरत के हथकंडे से सत्ता में आना चाहती है कांग्रेस

पीएम मोदी ने कहा कि सत्ता में आने के लिए बेताब कांग्रेस नफरत फैलाने को ही अपना हथकंडा बना लिया है। उन्होंने कहा, जिस कांग्रेस ने देश पर इतने वर्षों तक राज किया, वो सस्ता में वापसी के लिए इतनी बेचैन है कि हर रोज नफरत की राजनीति कर रही है। कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी के नेता भी बेबस हैं, असहाय हैं कि उनकी इस पार्टी की क्या स्थिति हो गई है। कांग्रेस की यह स्थिति होने वाली है, कांग्रेस नफरत फैलाने की सबसे बड़ी फैक्ट्री बनने वाली है, यह गांधीजी ने आजादी के बाद ही समझ लिया था। इसीलिए गांधीजी ने कहा था कि कांग्रेस को खत्म कर देना चाहिए। कांग्रेस खुद खत्म नहीं हुई, लेकिन आज देश को खत्म करने पर तुली हुई है।

हरियाणा के नतीजे हैरान करने वाले, चुनाव आयोग जाएंगे

- जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बोले राहुल गांधी
- शिवसेना बोली-कांग्रेस जीत को हार में बदलना जानती है,टीएमसी भी हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बुधवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे हैरान करने वाले हैं।

राहुल ने लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। कई विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतें आ रही हैं। हम चुनाव आयोग को इससे अवगत कराएंगे। हम हक का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे। राहुल ने जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन की जीत पर लोगों का आभार जताया। हरियाणा में भाजपा से हार पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने कांग्रेस की नीति पर सवाल उठाए।

शिवसेना (उद्धव गुट) ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा कि कांग्रेस जीत को हार में बदलना जानती है। टीएमसी नेता साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को हीन दृष्टि से देखना हार का कारण बना। शिवसेना ने सामना में लिखा, हरियाणा की हार से कांग्रेस को सीख लेने की जरूरत है। हरियाणा की हार कांग्रेस के ओवर कॉन्फिडेंस और राज्य के नेताओं के अहंकार का नतीजा है। हुड्डा ने नॉन जाट वोटर्स को साथ नहीं लिया।

सुप्रभात

इस बस्ती में रहते हैं
कुछ गूंगे, कुछ बहरे
अपनी-अपनी कब्रों में
जीते हैं मरे-मरे
बिना धमाका किये न
कोई कुछ सुनता है
इस रस्ते से जाना होठों
पर अंगार धरे
पर्वत राह नहीं देता,
चढ़ना ही पड़ता है
वक्त गंवाये क्यों? हम,
क्यों पत्थर से बात करें
नदी बहुत गहरी, उसमें
घड़ियालों का डेरा
तलवारों की नाव बनायें,
तब भीतर उतरें
राहों पर बारुद बिछी
है फिर भी चलना है
उम्मीदों के पहले तो बस
खतरे ही खतरे।

- सुभाष राय

यूपी में शिक्षामित्रों,अनुदेशकों और रसोइयों को तोहफा!

- योगी सरकार दीवाली पर दे सकती है बड़ी खुशखबरी
- मानदेय और भत्ते में बढ़ोतरी कर सकती है योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को दिवाली से पहले बड़ा तोहफा दे सकती है। प्रदेश के 1.40 लाख शिक्षामित्रों, 25 हजार अनुदेशकों और रसोइयों का मानदेय बढ़ाने की तैयारी है। मंगलवार को बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के साथ अलग-अलग संगठनों की बैठक में इस बात पर सहमति बनी। मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मानदेय बढ़ाने का प्रस्ताव जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रखा जाएगा। मंगलवार को विधानभवन में मंत्री संदीप सिंह के साथ शिक्षामित्रों के संगठन और अनुदेशकों की बैठक हुई। इस बैठक में शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के मानदेय वृद्धि, मूल विद्यालय में वापसी, मेडिकल सुविधा और मृत शिक्षामित्रों के परिवारों के समायोजन को लेकर बातचीत हुई।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव के निर्देश पर म.प्र. के 55 जिलों की बनेगी प्रोफाइल, एक क्लिक पर मिलेगी ओडीओपी से लेकर निवेश संबंधी जानकारी

सभी जिलों की प्रोफाइल तैयार करने की तैयारी

- एक जिला, एक उत्पाद की जानकारी होगी शामिल
- निवेश बढ़ाने और जीआई टैग दिलाने का प्रयास

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के 55 जिलों की प्रोफाइल बनाई जाएगी। इसमें एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की जानकारी, जिले के औद्योगिक क्षेत्र और उनमें उपलब्ध भूमि, कितनी औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं या बंद और पर्यटन, खनन, कृषि सहित मप्र में निवेश की संभावनाओं के क्षेत्रों की जिलेवार जानकारी उपलब्ध होगी। मप्र में निवेश करने के इच्छुक जिले की प्रोफाइल में एक क्लिक पर यह तमाम जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और अपनी सुविधा के अनुसार इसका उपयोग कर सकेंगे।

जिलेवार बनेगी प्रोफाइल- मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एमएसएमई सहित अन्य विभागों को जिलेवार प्रोफाइल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद अलग-अलग विभाग आमजन व निवेशकों के उपयोग से संबंधित जानकारी के साथ डिस्ट्रिक्ट प्रोफाइल तैयार करने में जुट गए हैं। रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में आए सुझावों के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव ने जिलों की प्रोफाइल बनाने के निर्देश दिए हैं। ताकि प्रत्येक जिले में निवेश की संभावनाएं बढ़ाई जा सकें।

छोटे से छोटे उत्पाद को जीआई टैग दिलाने के होंगे प्रयास- प्रदेश से अधिकांश उत्पादों को जीआई टैग दिलाने भी प्रयास किए जाएंगे। इसमें आदिवासियों की पारंपरिक औषधियों, खाद्यान्न और उनकी कलात्मक वस्तुओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जीआई टैग सबसे अधिक दक्षिण भारत के हैं। मध्य प्रदेश सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के छोटे से छोटे उत्पाद को जीआई टैग मिले। वर्तमान में मध्य प्रदेश में 21 उत्पादों को जीआई टैग मिला है।

जिलेवार ओडीओपी की ब्रांडिंग की जा रही

मध्य प्रदेश के एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की ब्रांडिंग की जाएगी। इसके लिए अलग से एक सेल गठित की गई है। इसका काम केवल ओडीओपी का प्रचार-प्रसार करना है। स्थानीय उत्पाद को विदेशी बाजार उपलब्ध कराने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

आठवीं मां महागौरी

वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है - पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर या किनारे हैं - एक मां कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान है, और दूसरा मां महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत है-पूर्णत: करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई।

न ईएमआई बढ़ेगी और न ही महंगे होंगे लोन

- आरबीआई ने रेपो रेट 6.5 फीसदी पर रखी बरकरार
- ब्याज दरों में लगातार 10वीं बार नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी की थीं। 7 अक्टूबर से चल रही मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज, यानी बुधवार को दी। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने इससे पहले अगस्त में हुई बैठक में ब्याज

दरों में बदलाव नहीं किया था। आरबीआई ने कोरोना के दौरान (27 मार्च 2020 से 9 अक्टूबर 2020) दो बार ब्याज दरों में 0.40 फीसदी की कटौती की। इसके बाद अगली 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50 फीसदी की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था। महंगाई को लेकर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि खुदरा महंगाई के लक्ष्य 4 फीसदी पर बने हुए हैं। हालांकि, सितंबर महीने में महंगाई के आंकड़े बढ़े हुए लग सकते हैं। मौजूदा मैक्रो-इकोनॉमिक मापदंड संतुलित हैं। जीडीपी ग्रोथ को लेकर उन्होंने कहा कि कारोबारी साल 2025 के दौरान यह 7.2 फीसदी रह सकती है। आरबीआई ने यूपीआई लाइट की पर ट्रांजेक्शन लिमिट को 500 रुपए से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया है। वहीं, यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपए से बढ़ा कर 5,000 रुपए कर दी गई है। यानी अब वॉलेट में लोग 3,000 रुपए ज्यादा रख सकेंगे। इस सुविधा के जरिए यूपीआई पेमेंट में पिन की जरूरत नहीं पड़ती और आसानी से पेमेंट हो जाता है। वहीं, यूपीआई 123पे की लिमिट को बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दिया गया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 10 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हरियाणा में एमपी-राजस्थान की तरह होंगे 2 डिप्टी सीएम

मंत्रिमंडल में 10 नए चेहरों को मिल सकती है जगह,सैनी ही होंगे मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा में भाजपा की जीत की हैट्रिक के बाद अब नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा में भी पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा की तरह दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला ला सकती है। वरिष्ठता के आधार पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और एक ब्राह्मण विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। भाजपा विधायक दल की बैठक गुरुवार को होगी। इसमें विधायक दल का नेता नायब सैनी को चुना जाना तय है। इसके लिए नायब सैनी दिल्ली भी गए। उधर, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के दिल्ली निवास पर राज्य के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सह प्रभारी बिप्लव देब ने रणनीति तैयार की है। इस बैठक में मंत्रियों के नामों सहित अन्य मामलों पर चर्चा की गई। हरियाणा में बीजेपी नई सरकार में डिप्टी सीएम फॉर्मूले को लाना चाहती है। इसकी सबसे बड़ी वजह सरकार में सीनियरिटी को लेकर होने वाला विवाद है। अभी अनिल विज नई सरकार में सबसे सीनियर नेता हैं। इसके अलावा वह सीएम बनने का दावा भी ठोक चुके हैं। ऐसे में उन्हें मैनेज करने के लिए पार्टी उन्हें डिप्टी सीएम बना सकती है। इनके अलावा एक ब्राह्मण विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। नई सरकार में भाजपा के नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। पुराने चेहरों में पूर्व गृह मंत्री अनिल विज, मूलचंद शर्मा और महिपाल ढांडा का नाम तो लगभग तय है। वहीं, नए चेहरों में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन देखा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य संचालन समिति गठित

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) योजनांतर्गत भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय द्वारा योजना के कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त रणनीति और नीति तैयार करने, योजना की निगरानी और सभी स्तरों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए राज्य संचालन समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है।

समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण, प्रमुख सचिव, समाजिक न्याय एवं नि-शक्तजन कल्याण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, वित्त, संचालक पंचायती राज, महानिदेशक/संचालक राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), अपर/संयुक्त संचालक पंचायती राज संचालनालय, समिति अध्यक्ष के अनुमोदन से दो विशेष आमंत्रित व्यक्ति समिति में सदस्य होंगे।

जम्मू-कश्मीर में जवान का गोलियों से छलनी शव मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षा बलों को बुधवार को टेरिटोरियल आर्मी के एक जवान की बॉडी मिली है। उसके शरीर पर गोलियों के निशान हैं। आर्मी ने अभी किसी आतंकी हमले की बात नहीं कही है। जिस जवान की बॉडी मिली है, उसका नाम हिलाल अहमद भट है। भट अनंतनाग के मुखधामपोरा नौगाम के रहने वाले थे और 8 अक्टूबर को कोकेरनाग के काजवान फॉरेस्ट एरिया में मिलिट्री ऑपरेशन में गए थे। इसी दौरान वे लापता हो गए थे। उन्हें ढूंढने के लिए सुरक्षा बलों ने रात भर सर्च ऑपरेशन चलाया था। आज उनकी बॉडी अनंतनाग में सांगलान के जंगलों में मिली।

झारखंड में बिहार के 3 लोगों की पीट-पीटकर हत्या

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में बिहार के 3 लोगों की हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि बकरी चोरी के शक में तीनों को पीट-पीटकर मार डाला गया। वारदात को जानकारी पुलिस को मंगलवार की शाम में मिली। घटना अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र जतरमा की है। मृतकों की

पहचान शिवहर जिले के कोल्हुआ ठीकाहा निवासी राकेश कुमार (26), रमेश कुमार (22) और मोतिहारी जिले के पताही निवासी तुलसी कुमार (24) के रूप में की गई है। राकेश और रमेश दोनों सगे भागे थे। ये तीनों लोग जतरमा के बंद गांव में रहकर फेरी का काम करते थे। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई है।

● आप रामनिवास को विधानसभा पहुंचाइये, हम विकास में कोई कसर नहीं रखेंगे : डॉ. मोहन यादव ● लोगों की आंखों में खुशियां सजा रही भाजपा की सरकारें ● विकास कार्य अनवरत चलते रहें, इसके लिए रामनिवास रावत को विधायक बनाएं : विष्णुदत्त शर्मा ● सिर्फ भाजपा ही करती है हर वर्ग के उत्थान की चिंता ● आदिवासियों को पक्का आवास देने का काम कर रही भाजपा सरकार : नरेंद्र सिंह तोमर

पेसा एक्ट के माध्यम से आदिवासियों को सभी अधिकार दिए जा रहे हैं

श्योपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को श्योपुर जिले के वीरपुर में आयोजित संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन में 55 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता और जनता के प्रतिनिधियों की इच्छाओं के अनुरूप हम इस क्षेत्र का विकास करेंगे, लेकिन ये काम तभी होगा जब आप श्री रामनिवास रावत को विधानसभा पहुंचाएंगे। जनता की इच्छा के अनुरूप इस क्षेत्र का पूरा विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस मौके पर वीरपुर में कॉलेज खोलने के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन और पेंटुल पुल निर्माण कार्य सहित कई सौगाते दी हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें लोगों का जीवन बदलने और उनकी आंखों में खुशियां सजाने का काम कर रही हैं। आपके क्षेत्र में

भी विकास के काम लगातार चलते रहें, इसके लिए आप श्री रामनिवास रावत को अपना आशीर्वाद प्रदान कीजिए। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए पूरी ईमानदारी के साथ सोचा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने समारोह में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम को प्रदेश शासन के मंत्री श्री रामनिवास रावत, श्री राकेश शुक्ला, सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री सीताराम आदिवासी ने भी संबोधित किया।

डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाइयों-बहनों आज यहां वीरपुर में आए तो हैं वन समितियों के सम्मेलन में, लेकिन आपके लिए 55 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात भी लाए हैं। कई कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण हुआ है, जिनके लिए आप सभी को बधाई। इन कामों में 7.59 करोड़ लागत की नल-जल परियोजना का भूमिपूजन हुआ है, 4.34 करोड़ की लागत से ढोढर में शासकीय कॉलेज, 3.78 करोड़ की लागत से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेसाईपुरा का उन्नयन, 1.31 करोड़ की लागत वाला विजयपुर एसडीएम कार्यालय, 24 करोड़ की लागत से विजयपुर के अस्पताल का 100 बिस्तरीय अस्पताल के रूप में उन्नयन, 24 गांवों में 14 करोड़ की लागत से बहुउद्देशीय केंद्रों का काम आदि अनेक काम शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वन क्षेत्रों और उनमें रहने वाले लोगों के बारे में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भाव है कि तमाम मुश्किलों के बीच हमारे आदिवासी भाई वनों में रहते हुए अपना जीवन व्यतीत करते हैं, तो उनकी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति अवश्य होनी चाहिए। उन्हें उनकी फसलों का अधिकार मिलना चाहिए, उन्हें बेचने का अधिकार होना चाहिए।

पेसा एक्ट के माध्यम से ये सभी अधिकार आपको दिये जा रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि जब हम वनों की बात करते हैं, तो आप सभी को यह स्मरण होना चाहिए कि आपके क्षेत्र को श्री रामनिवास रावत के रूप में वन मंत्री भी मिल गया है। हमने उन्हें आपके भरोसे मंत्री बनाया है, अब उनकी छवि को और उनकी इज्जत को बनाए रखने का काम आपका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के मामले में आपकी जो भी मांगें हैं, उन सभी को पूरा करेंगे, लेकिन लेकिन यह सारी बातें कब होगी जब आप रामनिवास को फिर से विधानसभा पहुंचाएंगे। डॉ. यादव ने कहा कि आज आप सभी मेरे साथ यह संकल्प लें कि क्षेत्र के विकास के लिए जब तक रामनिवास जी को अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए विधानसभा नहीं पहुंचाएंगे, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे।

पंजाब के निवासी हो गए एमपी के बीजेपी विधायक संजय पाठक !

● आधार कार्ड का पता देख उड़े होश,बैंक अधिकारी आए तो हुआ खुलासा ● एमपी में बीजेपी विधायक संजय पाठक के आधार कार्ड का बदला पता

कटनी (एजेंसी)। विजयराघवगढ़ विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक संजय पाठक के साथ बड़ा कांड हो गया है। इसके बाद विधायक ने साजिश की आशंका व्यक्त की है। साथ ही मामले की जांच की मांग की है। उनके आधार कार्ड का एड्रेस बदल दिया गया है। एड्रेस बदलकर उस पर पंजाब

मोहाली का पता दर्ज करवा दिया गया है। इसकी जानकारी लगते ही उनके होश उड़ गए हैं। मामला सामने आने के बाद विधायक संजय पाठक ने कहा है कि कुछ लोग कटनी से लेकर भोपाल तक के मेरे घर पर नजर रख रहे हैं। वहीं, जानकारी लगते ही विधायक ने प्रकरण की सूचना कलेक्टर दिलीप कुमार से लेकर एसपी अभिजीत रंजन को दी। साथ ही लिखित शिकायत भी की है। विधायक संजय पाठक ने इसे बड़ी साजिश बताते हुए कहा कि मेरे कटनी, जबलपुर सहित भोपाल वाले निवास में कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा निगरानी की जा रही थी।

कनाडा में हालात भयावह हो गए हैं...

भारतीयों के सामने गहरा रहा गुजर-बसर का संकट

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा से लगातार ऐसे वीडियो और तस्वीरें सामने आ रही हैं, जो देश में रोजगार के गहराते संकट को दिखाती हैं। कनाडा में कम होती नौकरियों और खासतौर से

भारतीयों को आ रहीं दिक्कतों पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इसकी वजह कनाडा के तंदूरी फ्लेम रेस्तरां के बाहर से आया वीडियो है। इस वीडियो में रेस्तरां के बाहर भारतीय छात्रों की एक बड़ी कतार दिखाई दे रही है, जो नौकरी के लिए यहां आए हैं। बीडब्ल्यूपीपल की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा और भारत में वायरल हो रहे इस वीडियो में तंदूरी फ्लेम रेस्तरां के बाहर जो छात्र दिख रहे हैं। उनमे से ज्यादातर भारत से हैं। ये वीडियो इसलिए भी लोगों का ध्यान खींच रहा है क्योंकि ये छात्र वेटर और सर्विस स्टाफ की नौकरी के लिए लाइन में लग रहे हैं। ये साफतौर पर कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सामने आने वाली रोजगार की चुनौती को दिखाता है। कतार में खड़े छात्र भारतीय अगमवीर सिंह ने स्थिति पर निराशा जाहिर की।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना अत्यंत आवश्यक : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) के अवसर पर प्रदेशवासियों को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध हमारे दैनिक जीवन, विचारधारा और दिनचर्या से होता है। स्वस्थ मानसिक स्थिति के लिए योग, प्राणायाम, और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। नियमित योग और प्राणायाम तनाव को कम करने, मानसिक शांति बनाए रखने और जीवन में सकारात्मकता लाने का प्रभावी साधन है। शुद्ध और पौष्टिक आहार रखता है मन को शांत और स्थिर

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वैदिक जीवनशैली और आहार संबंधी आदतों पर जोर देते हुए कहा कि संतुलित आहार और सात्विक जीवन-शैली हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। शुद्ध और पौष्टिक आहार का सेवन हमारे मन को शांत और स्थिर रखता है। ताजा भोजन और नियमित दिनचर्या का पालन कर हम मानसिक तनाव और अवसाद से बच सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को समझें, सहायता लेने में न हिचकिचाएं- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन अक्सर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद और अन्य भावनात्मक समस्याएं किसी भी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती हैं।

शिव मंदिर पर बिजली गिरी, शिवलिंग हुआ खंडित

धार-बुरहानपुर में बारिश, फसलों को नुकसान; दशहरे के बाद विदा हो जाएगा मानसून

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून की विदाई लगभग हो चुकी है। हालांकि बुधवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हुई है। धार जिले के मनावर और मांडू क्षेत्र में दोपहर में जमकर पानी गिरा। मांडू में करीब एक घंटे की बारिश से खेतों में पानी भर गया। इससे फसलों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा, बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र में भी बारिश हुई है। अंबाड़ा गांव में तेज गरज-चमक के साथ एक घंटे तक तेज बारिश हुई। बारिश के कारण किसान चिंतित हो गए। खेतों में किसान कटाई के काम में जुटे हैं। वहीं, बुरहानपुर में बूंदाबांदी हुई।

शिव मंदिर के शिखर पर गिरी बिजली- इधर सीहोर के भेरूंदा क्षेत्र में तीन अलग-अलग जगह बिजली गिरी। कौशल्या संगम कोलार क्षेत्र के नीलकंठ महादेव मंदिर के शिखर पर बिजली गिरी, जिससे शिवलिंग खंडित हो गया। भेरूंदा के थाना प्रभारी घनश्याम दागी ने बताया कि स्वप्न सिटी में बिजली के खंभे पर और जेपी मार्केट में कपड़े की दुकान की छत पर भी बिजली गिरी है।

दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में अगले 3 दिन गरज-चमक के आसार- मौसम विभाग के अनुसार मध्यप्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में अगले 3 दिन गरज-चमक के आसार हैं। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन में आसमान साफ रहेगा।

21 जिलों से अभी मानसून विदा नहीं हुआ- लो प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से 21 जिलों से अभी मानसून विदा नहीं हुआ है। इनमें जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के जिले शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, नर्मदापुरम और चंबल संभाग के 34 जिलों से मानसून लौट चुका है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 12 अक्टूबर के बाद स्थिति सामान्य होगी और बाकी जिलों से भी मानसून लौट जाएगा।

यूपी में उपचुनाव के लिए सपा ने घोषित किए 6 प्रत्याशी

● अखिलेश यादव ने पेश किया पीडीए पॉलिटिक्स का 'फैमिली वर्जन' ● करहल से तेज प्रताप,अयोध्या की मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद को टिकट

लखनऊ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार का असर उत्तर प्रदेश की राजनीति पर साफ दिखाई देने लगा है। उधर चुनाव परिणाम आए इधर चौबीस घंटे के अंदर ही अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने यूपी में 10 सीटों के लिए होने वाले

विधानसभा उपचुनाव के लिए 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए। समाजवादी पार्टी ने जो लिस्ट जारी की है, उसमें ऊपर लिखा है- होगा पीडीए के नाम - एकजुट मतदान। लिस्ट में दो मुस्लिम प्रत्याशियों के साथ पीडीए का ख्याल तो रखा गया है लेकिन ज्यादातर टिकट नेताओं के परिवार को ही दिए गए हैं। इस लिस्ट में अखिलेश यादव के भतीजे, पूर्व सांसद की बेटी, पूर्व विधायक की पत्नी, वर्तमान सांसद की पत्नी, वर्तमान सांसद के पुत्र को प्रत्याशी बनाया गया है।

भोपाल में बोरी में बंधी मिली 2 दिन की नवजात

- रोने की आवाज सुनकर लोगों ने बाहर निकाला; पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बुधवार सुबह एक बोरी में बंधी नवजात बच्ची मिली। इलाके से गुजर रहे लोगों ने बच्ची की आवाज सुनकर बोरी को खोला। उसे बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची ऐशबाग पुलिस ने बच्ची को कस्टडी में लिया और कमला नेहरू अस्पताल भेजा। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर है। उसकी उम्र एक-दो दिन ही है। मामला राजधानी के ऐशबाग के बाग उमराव दुल्हा इलाके का है। डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि बुधवार सुबह लोगों ने बच्चे के रोने की आवाज सुनी। आसपास देखा तो पीले रंग की बोरी में हलचल दिखी। इसे खोला तो बच्ची दिखाई दी। पुलिस मामले में आसपास के अस्पतालों से जानकारी जुटा रही है। ऐसी महिलाओं का रिकॉर्ड मांगा जा रहा है, जिनकी हाल ही में डिलीवरी हुई हो।

डॉक्टरों ने ऑब्जर्वेशन में रखा

कमला नेहरू अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के मुताबिक, बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है। उसकी नाल भी नहीं कटी है। फिलहाल, उसे ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

टीआई जितेंद्र गढ़वाल ने कहा, बाग उमराव दूल्हा में रेलवे ट्रैक के पास बच्ची मिली है। आसपास बड़ी संख्या में स्लम एरिया है। बच्ची के माता-पिता की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अनुमान है कि जब बच्ची को लोगों ने देखा, उससे कुछ ही समय पहले उसे वहां छोड़ा गया है। मुखबिर सक्रिय कर दिए हैं, जल्द ही उसे वहां रखने वाले को ढूंढ लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. वेणुगोपाल के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन एवं दिल्ली एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. पी. वेणुगोपाल के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संदेश में कहा है कि स्व. डॉ. वेणुगोपाल ने हजारों सर्जरी कर लोगों के अमूल्य जीवन की रक्षा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजन को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है

डॉ. पी. वेणुगोपाल के निधन पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने व्यक्त किया शोक

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने देश के प्रसिद्ध हृदय सर्जन और एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. पी. वेणुगोपाल के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. वेणुगोपाल द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में किए गए कार्यों का देश सदैव स्मरण करेगा। उन्होंने अपने पूरे जीवन में लाखों लोगों को नई जिंदगी देने का कार्य किया और भारत में हृदय रोग चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉ. वेणुगोपाल की सेवाएं और समर्पण चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुई हैं। उनका योगदान डॉक्टर्स के लिये हमेशा प्रेरणा स्रोत रहेगा और चिकित्सा जगत में उनकी कमी को पूरा करना कठिन होगा। उप मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मेयर की गाड़ी का चालान काटने वाले इंस्पेक्टर का ट्रांसफर

कार्रवाई के महीने भर के भीतर पीएचक्यू अटैच; कांग्रेस पार्षद के कहने पर लिया था एक्शन

खंडवा (नप्र)। खंडवा में मेयर की गाड़ी का चालान काटने के महीने भर के भीतर ट्रैफिक इंस्पेक्टर सौरभ सिंह कुशवाह का तबादला हो गया है। मंगलवार को जारी आदेश में कुशवाह को पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच कर दिया गया है। दरअसल, 13 सितंबर को कांग्रेसियों के कहने पर इन्होंने महापौर की सरकारी गाड़ी का चालान काटा था। इससे गुस्साई बीजेपी ने कार्रवाई की मांग की थी। चालान काटने के बाद से सौरभ सिंह कुशवाह के खिलाफ विभागीय जांच चल रही थी। हालांकि कार्रवाई को विधि सम्मत बताया गया। लेकिन सत्तापक्ष से जुड़े मेयर पर एक्शन लेना यातायात थाना प्रभारी को भारी पड़ गया। जिस दिन चालान काटा गया, उसी दिन महापौर

अमृता यादव समेत बीजेपी नेताओं ने कार्रवाई का विरोध किया था। यहां तक कि शिकायत करने वाले नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई थी।

महापौर ने कहा था- नेता प्रतिपक्ष परिणाम भुगतेंगे: कार्रवाई को लेकर महापौर अमृता यादव का कहना था कि निगम परिसर में खड़ी गाड़ी पर कार्रवाई कर रहे हैं। कांग्रेसी मोदी जी का मुखौटा लगाकर कह रहे हैं कि मोदी जी चालान भरेंगे। यह आप लोगों की भाषा है। आप ऐसी भाषा बोल कर प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे हैं। भाजपा ऐसी भाषा और प्रधानमंत्री का अपमान सहन नहीं करेगी। नेता प्रतिपक्ष को इसके लिए आगे जो परिणाम होगा उसके लिए तैयार रहना पड़ेगा।

नंबर प्लेट पर 'बॉस' लिखा होने पर काटा था चालान: दरअसल, महापौर अमृता यादव के सरकारी वाहन की नंबर प्लेट पर बॉस लिखा था। 13 सितंबर को नगर निगम में साधारण सम्मेलन के दौरान गाड़ी निगम परिसर में खड़ी थी। इसी दौरान कांग्रेस पार्षद और नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने फोन कर ट्रैफिक इंस्पेक्टर सौरभ सिंह कुशवाह को बुलाया और नंबर प्लेट को लेकर चालान कटवाया। चालान के 5 सौ रुपए भी राठौर ने दिए थे। इस दौरान कांग्रेसी पीएम मोदी का मुखौटा पहने हुए थे। भाजपा नेताओं को जब इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने हंगामा कर दिया। उन्होंने ट्रैफिक टीआई सौरभ सिंह कुशवाह को नगर निगम परिसर में ही घेर लिया। आधे घंटे तक हंगामा चला। भाजपा नेताओं का कहना था कि खड़ी गाड़ी का चालान कैसे काट सकते हो। जब गाड़ी सड़क पर चलती दिखे तो कार्रवाई करना। उन्होंने कहा कि टीआई का दो दिन के भीतर ट्रांसफर करवा देंगे।

भोपाल में बाबा अमरनाथ गुफा में आ रहे हजारों भक्त

25 हजार वर्ग फीट में बना बाबा का ये दरबार, शहर में झांकियां भी आकर्षण का केंद्र

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस बार मां दुर्गा के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पंडालों और झांकियों के दर्शन के लिए आ रहे है। खास बात ये है कि इस बार बाबा अमरनाथ यात्रा से लेकर मां बगलामुखी का दरबार भी चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं अलग-अलग थीम पर बनी झांकियां भी सबको आकर्षित कर रही है।

विजय मार्केट बरखेड़ा, बाबा अमरनाथ की यात्रा: बरखेड़ा के विजय मार्केट में बाबा अमरनाथ की यात्रा की थीम पर पंडाल सजाया गया है। यह पंडाल श्रद्धालुओं के लिए एक अनोखा अनुभव प्रस्तुत कर रहा है। यह पंडाल करीब 15-20 हजार वर्ग फीट में बनाया गया है, जिसकी लागत 25 से 30 लाख रुपए है। यहां पहली बार मां दुर्गा की स्थापना 1988 में की गई थी। तब से क्रम अभी तक जारी है।

बाबा अमरनाथ यात्रा की थीम पर बने पंडाल में हजारों श्रद्धालु आ रहे हैं: बाबा बर्फानी के दर्शन करने आएं अंजनी कुमार ने बताया कि वो पिछले पांच सालों से यहां आ रहा हूं। वो कहते है- इस बार जो अमरनाथ की गुफा बनी है, वह बहुत शानदार है। यहां एक अलग ही अनुभूति होती है। जैसा हम टीवी में देखते है, ठीक वैसे ही मूर्ति बनाई गई है।

बंगाल के 20 कारीगरों ने तैयार किया पंडाल: जय मां दुर्गा विजय मार्केट समिति के अध्यक्ष राम बाबू शर्मा बताते है कि पहले भी यहां पर काशी विश्वनाथ और तिरूपति बालाजी की थीम पर पंडाल बनाए गए है। इस बार जो पंडाल बनाया गया है, उसे 20 बंगाली कारिगरों ने बनाया है, वो भी सिर्फ 20 दिनों में। इन कारीगरों की खासियत यह है कि वह काम को बड़े सफाई से करते हैं। राम बाबू बताते है कि हर साल यहां लगभग 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस बार भी यह सिलसिला जारी है। नवरात्र में इस बीच कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी करवाया जा रहा है, जिसमें विद्युत सजा महत्वपूर्ण है।

जेके हॉस्पिटल चौराहा पर सुरसा सुर का वध: जेके हॉस्पिटल चौराहा के सामने श्री दुर्गा उत्सव समिति द्वारा नवरात्र के मौके पर सुरसा सुर की वध थीम पर झांकी बनाई गई है, जबकि मां दुर्गा के लिए अगल से पंडाल बनवाया गया है। यहां 2022 में पहली बार मां दुर्गा की स्थापना की गई थी। सुरसा थीम पर बने झांकी को देखने के लिए पहुंची जयंती अपना अनुभव शेयर करते हुए बताती है कि पंडाल में जब बजरंगबली समुद्र पार कर रहे थे तो सुरसा ने उन्हें रोका और उसे अपने आहार बनाने की बात कही। जिसके बाद बजरंग बली और सुरसा की वार्ता चलती है। यह सब देखकर बहुत अद्भुत लगता है।

30 लाख में तैयार हुई झांकी और पंडाल: श्री दुर्गा उत्सव समिति के उपाध्यक्ष सुनील सिंह बघेल बताते है कि इस बार 20x15 फीट का पंडाल बनाया गया है। जिसे बनाने में करीब 25-30 लाख रुपए की लागत आई है। वह बताते है हर बार की तरह इस बार भी 4-5 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

रत्नागिरी बायपास चौराहा पर माता बगलामुखी: रत्नागिरी बायपास चौराहे पर स्थापित माता बगलामुखी का पंडाल श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यहां नलखेड़ा स्थित माता बगलामुखी के दरबार की थीम रखी गई है। पंडाल में पांडवकालीन मंदिर की सजावट की गई है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रशांत सिंह पटेल ने बताया कि यह पंडाल 2018 से सजाया जा रहा है। इस बार की थीम मां जगदंबे की अष्टम महाविद्या है, जिसमें श्रद्धालुओं को श्री माता बगलामुखी के प्रारूप का दर्शन कराया जा रहा है। इस पंडाल में प्रतिदिन लगभग 70 से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नवमी के दिन यहां भंडारा आयोजित होगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा जाएगा। इसके अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

बंगाल के 11 कारीगरों ने तैयार किया पंडाल

आयोजक समिति अध्यक्ष प्रशांत बताते है कि पंडाल को बनाने के लिए 11 कारीगर और माता की मूर्ति बनाने के लिए 15 स्पेशल कारीगर कोलकाता से बुलाए गए थे। पंडाल, झांकी और पूरे कार्यक्रम को करने में करीब 25- 30 लाख रुपए की लागत आई है। पिछले सालों में भी यहां पर वन देवी और केदारनाथ की थीम पर पंडाल बनाए गए है।

भोपाल में सिटी बस के कंडक्टर को छुरी मारी

26 दिन में दो घटनाएं, नेता प्रतिपक्ष बोलीं- बसों में सुरक्षाकर्मी तैनात हो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर इलाके में बोर्ड ऑफिस चौराहे पर खड़ी सिटी बस के कंडक्टर को एक युवक ने छुरी मार दी। इससे वह घायल हो गया। कंडक्टर का कहना है कि युवक अवैध वसूली करने के लिए बस में घुसा था। मना किया तो गाली-गलौच करके छुरी मार दी। इस घटना से बस में बैठी सवारियां दहशत में आ गई। कई तो बस से उतरकर चली गई। मामला मंगलवार का है। बस में लगे कैमरों में यह घटना कैद हो गई। यह वीडियो बुधवार को सामने आया। मामले में एमपी नगर थाना पुलिस को भी सूचना दी गई। जिसकी जांच की जा रही है।

शबिस्ता जकी बोलीं- यह शर्मनाक है: इस मामले में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा, निगम के बस कंडक्टर-ड्राइवर के साथ यदि ऐसी घटना हो रही है तो यह शर्मनाक है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। तमाशा बनाकर रखा है। ऐसी घटनाएं न हो, इसलिए निगम और जिला प्रशासन एक गाइडलाइन बनाए। बसों में महिला-पुरुष सुरक्षाकर्मी तैनात हो। ताकि इस तरह की घटनाएं रुक सकें।

जेब कतरों ने चलती बस में कंडक्टर को पीटा: 26 दिन पहले, 14 सितंबर को भी भोपाल में कंडक्टर से मारपीट करने का मामला सामने आ चुका है। चूना भट्टी इलाके में पं. खुशीलाल शर्मा हॉस्पिटल के पास सिटी बस नंबर- एमपी-04 पीए-3692 के कंडक्टर सुरेश वर्मा (41) निवासी कजलीखेड़ा कोलार रोड के साथ बदमाशों ने मारपीट की थी। सुरेश के सिर में गंभीर चोंट आई। साथी उसे तुरंत हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। पुलिसकर्मी ने एक बदमाश को दबोच लिया था।

फरवरी 2017 में एसआर-5 में यात्री की कर दी थी हत्या: फरवरी 2017 में यात्रियों से भरी लो-फ्लोर बस (एसआर-5) में जेबकतरों ने तांडा बैरसिया निवासी कमल सिंह (22) की हत्या कर दी थी। कमल सिंह उस दिन लो-फ्लोर बस एसआर-5 में बैरागढ़ जाने के लिए सवार हुए थे। कोहेफिजा इलाके में तीन जेबकतरों ने उनका जेब काटने का विरोध किया तो चाकू से हमला कर हत्या कर फरार हो गए थे।

एक दिन में सवा लाख यात्री कर रहे सफर: भोपाल की सड़कों पर 25 रूट पर करीब 200 सिटी बसें दौड़ रही है। (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) इनका संचालन कर रहा है।

शिवसेना नेता राउत बोले-मप्र में लाड़ली बहना योजना बंद

सीएम का पलटवार-महाराष्ट्र में हार के डर से वोटर्स को बरगला रहे, महिला मोर्चा दर्ज कराएगी एफआईआर

भोपाल (नप्र)। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज हो गई है। इसके साथ ही चुनावी बयानबाजी और पार्टियों के बीच राजनीतिक घमासान भी धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला 7 अक्टूबर को मुंबई में शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत के बयान से जुड़ा है। महाराष्ट्र में शिवसेना नेता संजय राउत ने पिछले दिनों मुंबई में मीडिया से चर्चा में कहा कि, मप्र में लाड़ली बहना योजना बंद हो गई है। अपने बयान के समर्थन में राउत ने मप्र के वित्त सचिव के पत्र का जिक्र भी किया। अब उद्धव गुट के नेता के बयान पर मप्र के सीएम डॉ.मोहन यादव ने पलटवार किया है। ग्वालियर जाने से पूर्व भोपाल में मीडिया से चर्चा में यादव ने राउत पर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस प्रकार के बयान देकर महाराष्ट्र के वोटर्स को बरगलाने का आरोप लगाया है। इधर, राउत के

बयान के विरोध में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भोपाल में क्राइम ब्रांच पहुंचकर एफआईआर दर्ज करने का आवेदन दिया। बीजेपी महिला मोर्चा की नेत्रियों ने क्राइम ब्रांच के एसीपी मुख्तार कुरैशी को आवेदन दिया।

लाड़ली बहना के कारण कर्मचारियों को दीवाली पर वेतन नहीं मिलेगा: राउत ने महाराष्ट्र सरकार को घेरते हुए कहा- आज ठेकेदारों का आंदोलन चल रहा है। काम करवा लिया कमीशन 40 प्रतिशत, 20 प्रतिशत लिया। उनका भुगतान नहीं हो रहा है। वो सभी ठेकेदार मंत्रालय में आंदोलन करने वाले हैं। ये लाड़ली बहन योजना और एक महीना चलाएंगे, बाद में बंद कर देंगे। दीवाली के समय हमारे सरकारी कर्मचारी, पुलिस, टीचर्स का वेतन नहीं होगा। ये सब लाड़ली बहन योजना के चक्कर में हो रहा है।

सीएम बोले- हर महीने तय समय पर पैसे दे रही सरकार

सीएम डॉ मोहन यादव ने लाडली बहना योजना बंद होने को लेकर राउत के बयान पर कहा, जब से हमने लाडली बहना योजना शुरू की है लगातार हर महीने, निश्चित समय पर प्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख बहनों को पैसे देने का काम किया है। हमने हमारी 500 साल पूर्व की सम्राज्ञी वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर एक साथ पूरे प्रदेश की बहनों के खातों में 5-5 हजार की राशि डाली है। कोई ऐसा महीना नहीं जा रहा है, जिसमें यह राशि नहीं डाली गई है। लेकिन, हार के डर से शिवसेना के लोग महाराष्ट्र के चुनाव में मतदाताओं को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं एक बार फिर अपने सारे मतदाताओं से कहना चाहूंगा कि ऐसे झूठे षड्यंत्र पर विश्वास न करें।

यति नरसिंहानंद के खिलाफ विधायक मसूद ने कम्प्लेंट फाइल की

भोपाल कोर्ट में होगी सुनवाई; महामंडलेश्वर ने पैगंबर मोहम्मद पर की थी टिप्पणी

भोपाल (नप्र)। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ भोपाल कोर्ट में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कम्प्लेंट फाइल की है। भोपाल मध्य से विधायक मसूद ने यह कम्प्लेंट पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए बयान को लेकर फाइल की है। उनकी ओर से पैरवी एडवोकेट दीपक बुंदेले करेंगे। सुनवाई के लिए 21 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। भोपाल के 6 नंबर स्टॉप स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में विधायक ने कहा, लगातार हमारे पैगंबर की शान में गुस्ताखी करने वाले लोगों की एक के बाद एक कड़ी बनती जा रही है। यह इंसानियत और संविधान पसंद लोगों के लिए अच्दी खबर नहीं है, न ही हमारे देश की परंपरा है।उन्होंने कहा, कोई भी किसी भी धर्म पर न तो क्रिटिसिज्म चाहता है, न ही सुनना चाहता है।

पुलिस कमिश्नर ने चार दिन में नहीं लिया एक्शन: विधायक ने कहा, 4 दिन पहले भोपाल पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देकर कहा था कि केस होना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि अभी एफआईआर नहीं कर सकते, जांच कराएंगे। अब हमने भोपाल कोर्ट में याचिका लगाई है। यहां मुकदमा दर्ज होगा, तो देश में एक पैगाम भी जाएगा कि नफरत फैलाने वालों के खिलाफ संविधान कड़ी कार्रवाई करेगा। चाहे वह कोई बड़ा व्यक्ति हो या छोटा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

भोपाल में ड्रग्स और एक्शन पर बोले- इतवारा में खुलेआम मिलता है: भोपाल में ड्रग्स को लेकर पुलिस - प्रशासन की कार्रवाइयों पर सवाल उठाते हुए विधायक मसूद ने कहा, भोपाल के इतवारा में खुलेआम ड्रग्स बिक रहा है। मैं आप लोगों (मीडिया) को आमंत्रित करता हूं कि आप लोग भेष बदलकर रात दो-तीन बजे इतवारा में जाओ। आपको जिस क्वालिटी का ड्रग्स चाहिए, वो मिलेगा और प्रशासन के संरक्षण में मिलेगा।

संपादकीय

हरियाणा चुनाव और जलेबी!

यह शायद पहला मौका था कि किसी चुनाव और किसी मिठाई का राजनीतिक संजोग बना हो। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद भाजपाई जगह जगह जलेबी बनाते, बांटते और खाते दिखे। यानी जलेबी चुनावी जीत का प्रतीक बन गया। यह उन कांग्रेसियों को चिढ़ाने जैसा था, जो मतगणना के आरंभिक घंटों में खुद जलेबी बांटने के लिए तत्पर बैठे थे, लेकिन दोपहर तक पूरी सूरत ही बदल गई। मतगणना के दो दिन पहले भी लगभग सभी एग्जिट पोल यह संकेत दे रहे थे कि हरियाणा में कांग्रेस बंपर बहुमत से सत्ता में आ रही है। खुद भाजपाइयों को लगने लगा था कि 10 साल की एंटी इनकम्बेंसी उन पर भारी पड़ने लगी है। ऐसे 20-25 सीटें भी आ जाएं तो बड़ी बात है। लेकिन मतगणना के दिन कुछ और नजारा दिखा। हरियाणा के वोटरों ने भाजपा को छप्पर फाड़ बहुमत दिया। दूसरी तरफ जो कांग्रेसी सुबह से खुद जलेबी बांटने की फिराक में थे, दोपहर तक अपनी दुकान समेटकर चलते बने। जबकि जिस भाजपा के दफ्तरों में अमूमन मायूसी थी, वहां ताबड़तोड़ तरीके से जलेबी के घान निकलने और बंटने लगे। मतपेटियां खुलते ही भाजपा ने एक बार जो लीड लेना शुरू किया तो थमने का नाम ही नहीं ले रही थी। 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में बीजेपी सामान्य बहुमत 46 से दो ज़्यादा 48 सीटें जीत गई और कांग्रेस 37 सीटों पर सिमटकर रह गई। उधर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जलेबी ट्रेंड करने लगी और इसी बहाने कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज होने लगे। दरअसल हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जलेबी के बहाने प्रदेश में रोज़गार के मुद्दे को उठाया था। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने गोहाना रैली के मंच पर राहुल गांधी को मातूराम की प्रसिद्ध जलेबी भेंट की थी। राहुल के उस जलेबी के स्वाद की तारीफ की और कहा कि मेरी बहन प्रियंका को जलेबी पसंद है। मैंने इसे खाने के बाद प्रियंका को मैसेज किया कि आज मैंने अपने जीवन की सबसे अच्छी जलेबी खाई है। तुम्हारे लिए भी एक डिब्बा लाऊंगा। राहुल ने यह भी कहा कि इस जलेबी में हरियाणा के एक व्यक्ति का खून पसीना है। ये जलेबी पूरे हिंदुस्तान में जानी चाहिए। इसे बाकी देशों अमेरिका, जापान में भी अलग-अलग रूप में भेजा जाना चाहिए। बात यही नहीं रूकी। राहुल ने इस बहाने राज्य में रोज़गार के मुद्दे को उठाया और कहा कि जलेबी बनाने से रोज़गार मिलेगा। फैक्ट्री में हज़ारों लोग काम कर सकेंगे। अब राहुल द्वारा फैक्ट्री में जलेबी बनाने की बात पर बीजेपी समर्थकों ने उस खूब तंज कसे थे और बहुत सारे मीम बनाए। मतगणना के दिन कांग्रेसियों ने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि 'राम-राम हरियाणा। जलेबी दिवस की शुभकामनाएं।' यह पोस्ट हरियाणा में कांग्रेस के स्पष्ट बहुमत में आने की संभावना को लेकर डाली गई थी। जैसे-जैसे मतगणना आगे बढ़ी माहौल पूरी तरह बदल गया। बीजेपी के लोगों ने कांग्रेस के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, 'राम-राम हरियाणा। मातूराम जी (गोहाना वाले) आपकी जलेबी, कड़ाही, दुकान, घी और गल्ला सब सुरक्षित है, क्योंकि भाजपा तीसरी बार आ गई है।' बहरहाल इससे इतना तो सिद्ध हो गया कि जलेबी कैसे और कहां बनती है, यह राहुल गांधी को पता नहीं है। किसी भी मुद्दे को किसी भी संदर्भ से जोड़ने से सकारात्मक संदेश जाने की जगह मजाक बनने की संभावना ज्यादा रहती है। जलेबी कोई चाहे तो भी फैक्टरी में नहीं बन सकती और न ही इसकी डिब्बाबंद पैकिंग की जा सकती है। यह गर्मागर्म खाने वाली मिठाई है। इसे राजनीति से न जोड़ें।

नजरिया

रमाकांत नाथ

लेखक ओडिशा के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।

संकट में है विश्व शांति

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश। दुनिया के राष्ट्र दो गुटों में बंटे हुए हैं और अपने-अपने हितों की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी महत्वाकांक्षा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया को परेशान कर रही है। दुनिया में आम लोगों के दमन ने शोषण को बढ़ा दिया है। अन्याय ने अत्याचार को जन्म दिया है। अशांति, भय, आतंक और आशंका के माहौल के कारण विश्व-शांति दूर की कौड़ी लगती है।

दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बने 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (यूएनओ) ने ऐसा कुछ नहीं किया है और दुनिया की प्रमुख शक्तियों ने उससे ऐसा कुछ नहीं करवाया है। दुनिया में अशांति का कारण क्या है, हम बार-बार युद्ध क्यों झेल रहे हैं, राष्ट्रों के बीच संघर्ष क्यों हैं? निकी वॉकर की किताब 'हम क्यों लड़ते हैं? संघर्ष, युद्ध और शांति' तथा स्टीव किलेलिया की पुस्तक 'अराजकता के युग में शांति' ने हमें वर्तमान समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने तथा विश्व में सतत विकास प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई बातें उजागर की हैं।

जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब यह माना गया था कि यह हफ्तेभर में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूसी आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सहायता ने अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों के बाजार को लाभ पहुंचाया है तथा पूरे यूरोप में युद्ध, पलायन, विस्थापन और शरणार्थी मुद्दों के माहौल ने बहुत उथल-पुथल मचा दी है। यह युद्ध अब रूस के साथ चीन और 'उत्तर अटलांटिक संधि संगठन' (नाटो) के देशों के बीच युद्ध में बदल गया है, जो बहुत ही भयानक रूप लेने वाला है।

दुनिया के अमीर और परमाणु शक्ति संपन्न देशों के पास 10,000 से अधिक परमाणु हथियार हैं। उनमें से कुछ के ही उपयोग से मानव जीवन और मानव सभ्यता पूरी तरह से गायब हो जाएगी। यह जानते हुए भी तानाशाह लड़ते रहते हैं और परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी देते रहते हैं। मध्य-पूर्व में ईरान, तुर्की, जॉर्डन और लेबनान जैसे इस्लामी देश गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर इजरायल के हमले के कारण इजरायल के खिलाफ हैं। हमास-हूती-हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई और अमेरिका द्वारा उसके समर्थन ने अप्रत्यक्ष रूप से मध्य-पूर्व में विनाश को जन्म दिया है।

जब एक आतंकवादी संगठन तालिबान अफगानिस्तान जैसे देश को नियंत्रित कर शासन चला रहा है, तो यह असंभव नहीं है कि दुनिया के सभी आतंकवादी संगठन एकजुट होकर इस दुनिया से लोकतंत्र की मौत का कारण बनें। तानाशाहों, हिंसक आतंकवादियों के कारण आज दुनिया में शांति से रहना असंभव हो गया है।

एकतरफावाद और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों के पास कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं होता। वे किसी धर्म को भी नहीं मानते। इसके बजाय, वे अपनी राय दूसरों पर थोपते हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों की ताकतों के पीछे कॉर्पोरेट हैं। वास्तव में कॉर्पोरेट ताकत ही दुनिया पर राज कर रही है और यही आज की अशांति का मुख्य कारण है।

कॉरपोरेट सत्ता आतंकवादी संगठनों के लिए हथियार बना रही है, कॉरपोरेट सत्ता ने तानाशाहों को विश्व व्यापार के लिए लालची बना दिया है, डॉलर से बांध दिया है और दुनिया की प्रमुख संस्थाओं ने 'अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष,' 'विश्व व्यापार संगठन,' 'विश्व बैंक' आदि के माध्यम से कर्ज देकर तीसरी दुनिया को पूरी तरह से बांध लिया है। कॉरपोरेट सत्ता ने दुनिया के संसाधनों को हड़प लिया है और पूरी दुनिया में आतंक, अशांति, संघर्ष पैदा किया है जिसकी परिणति युद्ध में होती है। इस संबंध में डेविड कॉर्टन की एक बहुचर्चित पुस्तक है, 'व्हेन कॉरपोरेशन्स रूल द वर्ल्ड।' कॉरपोरेट शासन किस तरह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और विश्व शांति को नुकसान पहुंचा रहा है, यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मध्य-पूर्व में कई वर्षों से चल रहे और हाल के युद्ध के पीछे अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इजरायल का समर्थन कर रहा है।

मौजूदा सरकार की इस्लाम विरोधी नीतियों के प्रचार और इस्लाम विरोधी कदमों के कारण भारत अब सभी इस्लामी देशों के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। इसी तरह, दक्षिण-एशिया में चीन के प्रभाव के कारण भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध खो चुका है और संघर्ष में पड़ गया है। यह असंभव नहीं है कि ये सभी संघर्ष आगे चलकर युद्ध में बदल जाएं, जिससे दक्षिण-एशिया में एक और युद्ध हो। यह असंभव नहीं है कि ताइवान पर चीन का लालच, तिब्बत पर चीन का अधिकार और कोरियाई प्रायद्वीप पर दो कोरिया के बीच युद्ध, उत्तर-कोरिया को दक्षिण-कोरिया पर हमला करने के लिए मजबूर कर देगा। दुनिया के 7-8 ऐसे मैदानी युद्ध, कुछ देशों के गृह-युद्ध विश्व शांति को व्यापक रूप से भंग कर देंगे, यह तय है।

दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है। जहां भी ऐसा हो रहा है, लोग उस व्यक्तित्व को हटा रहे हैं, उसे सत्ता से बेदखल कर रहे हैं, लेकिन दलीय व्यवस्था के भीतर कोई दूसरा व्यक्ति शासक बनकर उभरता है और शोषण तथा अत्याचार करना शुरू कर देता है। दलीय लोकतंत्र और व्यक्तिवाद लोकतंत्र के नाम पर काम कर रहे हैं। इससे दुनिया में कारपोरेट साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला है। यह शासन व्यवस्था लोकतंत्र के चारों स्तंभों - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को समाप्त करके तानाशाही चलाना चाहती है, जो वास्तव में 'निगम के लिए, निगम द्वारा और निगम की' है। इस शासन व्यवस्था ने करोड़ों लोगों के लिए अशांति पैदा की है, जीवन और मृत्यु की समस्याएँ पैदा की हैं। अब विकल्प लोक-लुभावनवाद है, जो विश्वशांति और लोकस्वराज स्थापित करने में मदद कर सकता है। यह दुनिया से भय, भ्रम और आतंक को खत्म करने, नफरत, हिंसा, असहिष्णुता को मिटाने और युद्धों और संघर्षों को खत्म करने में मदद कर सकता है। कॉर्पोरेट सत्ता को खत्म करने, गुटबाजी को मिटाने, सत्तावाद और अधिनायकवाद को हराने के लिए जनता की राजनीति, जनता का शासन जरूरी है। विश्व में स्थायी शांति, देश में शाश्वत प्रगति, राज्य में अपार समृद्धि और लोगों के जीवन में आशाजनक विकास के लिए जनता का शासन आवश्यक है। (सप्रेस)

राजनीति

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मतदाता ने लिखी भाजपा की जीत की पटकथा

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों से देश के दिग्गज राजनैतिक पंडित चुनाव विशेषज्ञ और मतदान के बाद अनुमान लगाने वाली संस्थाएं अचंभित हैं। क्योंकि इनमें से ज्यादातर भाजपा को हरियाणा में जीत से बाहर जाने की गारंटी दे रहे थे। ये कांग्रेस को हरियाणा में अपने बलबूते न केवल स्पष्ट बहुमत, बल्कि दो तिहाई बहुमत के पार बता रहे थे। लेकिन नतीजे के बाद साफ हुआ कि ये अनुमान छह माह पहले हुए लोकसभा चुनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और हरियाणा के प्रभुत्वशाली वर्ग से बातचीत के आधार पर गढ़े गए हैं, इसलिए धराशायी हुए। इनके पीछे यह गणित भी था कि भाजपा पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ है, इसलिए उसे सत्ताविरोधी लहर की नाराजी भुगतनी पड़ेगी। शायद भाजपा ने भी इस हकीकत को चुनाव पूर्व भांप लिया था, अतएव उसने होने वाले नुकसान की भरपाई एक तो हरियाणा की कमान पिछले 9 साल से संभालते चले आ रहे, मनोहरलाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट समुदाय के विपरीत दलित, पिछड़े और अन्य छोटे तबकों को लुभाने का काम किया। इस समाजिक रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए संघ को कमान सौंप दी। इसका परिणाम रहा कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा अन्य सभी मुद्दों पर भारी पड़ गया। लिहाजा 2020 में बनाए गए तीन किसान कानून और फसलों पर समर्थन मूल्य की मांग के मुद्दे फीके पड़ गए। जम्मू-कश्मीर में जो अनुमान थे, परिणाम लगभग उसी सोच के अनुरूप आए। यहां एनसी और कांग्रेस गठबंधन को 48 सीटें मिलीं तो भाजपा को 29 सीटों पर विजय मिली। कांग्रेस एनसी के साथ गठबंधन करके नुकसान में रही, वह मात्र छह सीटों पर सिमट गई। पीडीपी भी सिमटकर बमुश्किल तीन सीटें जीत पाई। महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती 9,770 मतों से चुनाव हार गई। घाटी की जनता ने जहां महबूबा मुफ्ती की वंशवादी राजनीति का खात्मा किया। वहीं आतंक और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल रहे एक भी प्रत्याशी को जीतने नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल क्षेत्रों में थीं। घाटी में यह स्पष्ट रूप से देखने में आया है कि मुसलमानों में सुधारवादी नीतियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भाजपा ने इन दोनों राज्यों में अपनी स्थिति संभलते हुए भाजपा विरोधी नेता और दलों को जता दिया है कि भाजपा संवैधानिक लोकतंत्र की प्रबल पक्षधर है और उसकी नीतियां समरसतावादी है। जम्मू-कश्मीर को लेकर देश को ही नहीं दुनिया के कथित मानवाधिकारी संगठनों को यह उत्सुकता और आशंकाएं थीं कि नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र की कसौटी पर खरी उतरती है अथवा नहीं। बावजूद पूर्वाग्रही वामपंथी चुनाव विश्लेषक कह रहे हैं कि घाटी ने अनुच्छेद-370 और 35-ए को पूरी तरह नकार दिया है। जबकि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि 60 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्र में हैं। मुसलमान धार्मिक गुत्थी में हमेशा उलझा रहा है। प्रगातिशील सोच और सुधारवादी नीतियों का वह लाभ तो पूरा लेता है, लेकिन अपनी सांप्रदायिक जड़ता से मुक्त नहीं होना चाहता। अतएव घाटी में मुसलमान ने 370 हटने के बाद पर्यटन से हुए लाभ को तो स्वीकारा। लेकिन एनसी को वोट इसलिए दिया, क्योंकि उसके मुखिया फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला एक मुस्लिम जनाधार वाली पार्टी के मुखिया हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में एनसी या फिर पीडीपी राज करती चली जा रही हैं। पीडीपी भी मुस्लिम बहुल पार्टी है। इन दोनों दलों के राज करते चले आने की वजह से ही कश्मीर में आतंक और अलगाववाद परवान चढ़ा और घाटी से करीब पांच लाख हिंदू, सिख और बोद्धों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इन परिणामों से यह संदेश निकता है कि अंततः भारतीय मुसलमान अपने भीतर समरसतावादी सोच विकसित नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें आर्थिक अभाव और तंगदिलि तो पसंद है, लेकिन जिस भाजपा ने 370 खत्म करके घाटी में सुख और चैन दिया उसे सत्ता देकर अपने सुखों को और बढ़ाना स्वीकार नहीं है। यहां आकर संविधान में मौजूद धर्मरिपेक्षता ठिठक जाती है।

भाजपा ने हरियाणा में जरूर बाजी पलट दी है, किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं को पूरी तरह नकार दिया। वहीं वंशवादी राजनीति के पैरोकारों को धूल चटा दी। अतएव इस चुनाव ने हरियाणा में तय कर दिया है कि भविष्य में भी यहां वंशवादी राजनीति कोई बड़ा खेल, खेल पाएगी ऐसा लगता नहीं है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम राज्यों की सीमाओं को लांघकर यह खुला संदेश दे रहे हैं कि भाजपा की आगे भी बढ़त बनी रहेगी और राहुल गांधी व अन्य विपक्षी दलों के भ्रामक मुद्दे अब मतदाता को भ्रमित नहीं कर पाएंगे। क्योंकि चाहे हरियाणा हो या कश्मीर विकास और सामाजिक न्याय के मुद्दे भाजपा ने ही आगे बढ़ाए हैं। इसीलिए वंशवादी और उच्च जाति के लोगों से संवैधानिक नेतृत्व की कमान छिटक कर पिछड़े, अति पिछड़े और दलित व आदिवासियों तक पहुंच रही हैं। इन परिणामों से भाजपा के उस मनोबल को बल मिला है, जो लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद थोड़ा निराश हो गया था। हालांकि भाजपा हमेशा हार से सबक लेकर सुधारवादी प्रयोग करने लग जाती है। इन्हीं प्रयोगों के तहत भाजपा ने अग्निवीरों को लेकर जो शंकाएं थीं, उन्हें दूर किया। कृशि सुधारकों का दायरा बढ़ाया और समर्थन मूल्य की दरें तो बढ़ाई हीं, फसलों की संख्या भी बढ़ा दी।

इन चुनावों के बाद अब महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में चुनाव होंगे। चूंकि अब भाजपा आत्मविश्वास बढ़ गया हैं, इसलिए वह इन तीनों ही राज्यों में अपनी पूरी ताकत झोंक देगी। महाराष्ट्र में भाजपा के साथ महायुति में शिवसेना शिंदे और अजीत पवार की एनसीपी शामिल हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ शिवसेना उद्धव ठाकरे और एनसीपी शरद पवार हैं। साफ है, यहां मुकाबला शरद पवार की साख और मोदी के विश्वास पर होगा। जिसमें अब मोदी भारी पड़ते दिखाई दे सकते हैं। झारखंड में भाजपा ने अपनी पहुंच मजबूत करने की दृष्टि से पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चैहान को चुनाव की कमान सौंप दी है। शिवराज मतदाता को लुभाने की दक्षता रखने के साथ आदिवासियों को गले लगाने की रणनीति को अंजाम तक पहुंचाने में भी मध्यप्रदेश में अंजाम तक पहुंचाते रहे हैं।

भाजपा ने यहां के क्षेत्रीय दल अजासू से गठबंधन को अंतिम रूप देकर चंपाई सोरेन के साथ अवैध घुसपैठ और मतांतरण के मुद्दे को उछालकर हेमंत सोरेन को कठघरे में खड़ा करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा पर आश्रित है। जो अब अपनी ताकत के क्षरण के दौर से गुजर रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा में सीधा मुकाबला होगा। शराब नीति घोटाले में घिरे अरविंद केजरीवाल सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ चुके हैं। उन्होंने अतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है। लेकिन अब केजरीवाल की वह छवि नहीं रही, जो ईमानदार मुख्यमंत्री के रूप में बनी थी और उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुछ अनूठे कार्य करते मतदाता को लुभाने का काम किया था। लेकिन उनकी छवि बहुत कुछ धूमिल हुई है, यह इस बात से पता चलता है कि हरियाणा चुनाव में आप का खाता नहीं खुल पाया। अतएव दिल्ली में भी झाड़ू लग सकती है। बहरहाल ये चुनाव परिणाम भाजपा के लिए नई उम्मीद लेकर आए हैं।

जलेबी की तरह गोल-गोल

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आजकल शहर में एक बड़ा बवाल मचा हुआ है, और यह बवाल किसी राजनैतिक मुद्दे का नहीं, बल्कि जलेबी का है। जी हां, जलेबी, जिसे देखकर हमारे मुंह में पानी आ जाता है, उस जलेबी पर अब बहस छिड़ गई है। लोग इस मिठाई को लेकर ऐसे भिड़ रहे हैं जैसे यह कोई राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा हो।

किसी जमाने में, जलेबी को केवल एक मिठाई समझा जाता था, लेकिन आजकल यह सामाजिक प्रतिष्ठा का एक प्रतीक बन गई है। 'मैंने जलेबी खाई है' कहने वाले लोगों की संख्या में अचानक इजाफा हो गया है। ऐसे लोग अब अपने ज्ञान और अनुभव का बखान करते हुए इसे एक उत्कृष्टता का प्रतीक मानने लगे हैं। जलेबी खाने का तरीका भी अब कला का विषय बन गया है। किसी ने जलेबी खाई, तो वह तात्कालिक तौर पर एक जलेबी विशेषज्ञ बन गया।

इस पूरे मामले में सबसे मजेदार बात यह है कि जलेबी के प्रति लोगों की मोहब्बत केवल खाने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि इसे फेसबुक पर पोस्ट करने, इंस्टाग्राम पर शेयर करने और ट्विटर पर ट्रेंड कराने की कला में भी बदल गई है।

अब तो मानो जलेबी के बिना कोई भी महोत्सव अधूरा सा लगता है। जन्मदिन हो, शादी, या कोई अन्य समारोह, जलेबी का होना अनिवार्य हो गया है। जैसे ही कोई जलेबी की प्लेट परोसी जाती है, लोग उसे ऐसे देखने लगते हैं जैसे वह कोई अनमोल रत्न हो।

लेकिन जलेबी का असली खेल तो तब शुरू होता है जब हम उसके फायदों के बारे में बात करते हैं। जलेबी के गुणों पर चर्चा करने वालों की कमी नहीं है। कोई कहता है, 'जलेबी खाने से मानसिक तनाव दूर होता है।' तो कोई दूसरा दावा करता है, 'यह शरीर को ताजगी देती है।' यानि जलेबी अब केवल एक मिठाई नहीं रही, बल्कि यह एक औषधि का काम करने लगी है।

हरिशंकर परसाई की शैली में, यह कहना भी उचित होगा कि हमारे समाज में जलेबी के प्रति बढ़ती दीवानगी ने उसे एक धार्मिक स्वरूप दे दिया है। अब इसे सिर्फ खाया नहीं जाता, बल्कि इसके प्रति श्रद्धा भाव से जिया जाता है। लोग जलेबी की दुकान के सामने खड़े होकर ऐसे मस्त होकर तस्वीरें खिंचवाते हैं जैसे वे किसी तीर्थ स्थान पर खड़े हों। दुकान पर जलेबी की तैयारी देखने के लिए तो मानो पूरा मोहल्ला इकट्ठा हो जाता है। दुकानदार जैसे कोई साधु हों और जलेबी को लेकर आस्था इतनी गहरी हो चुकी हो कि जलेबी के हर टुकड़े को लेकर किसी भी प्रकार का बखान किया जाए।

वहीं दूसरी ओर, जलेबी की खासियत यह है कि यह हर मौसम में ताजगी का एहसास कराती है। गर्मी में इसकी चाशनी जैसे ठंडी हवा का अहसास कराती है और सर्दियों में इसे गरमा-गरम खाने का अलग ही मजा है। इसके खट्टे-मीठे स्वाद ने लोगों को दीवाना बना रखा है। लेकिन अब जलेबी की कीमतें भी आसमान छूने लगी हैं। जलेबी की दुकान पर जाते हुए हर ग्राहक अब इस बात की गणना करता है कि जलेबी खरीदने के लिए उसे अपनी जेब से कितनी रकम निकालनी पड़ेगी।

जबसे जलेबी की कीमतें बढ़ी हैं, तबसे इस पर भी राजनीतिज्ञों की नजरें टिक गई हैं। चुनावों में जब भी कोई उम्मीदवार जनता से बात करने आता है, वह जलेबी की बात जरूर करता है। 'अगर मैं चुनाव जीत गया, तो जलेबी की कीमतें कम कर दूंगा!' इस वादे के साथ ही उम्मीदवारों का मतदाता से जुड़ाव बढ़ जाता है। जलेबी अब चुनावी मुद्दा बन गई है।

दुकानदार भी इस खेल में पीछे नहीं रह गए हैं। वे अब जलेबी के साथ टोकन सिस्टम, क्यू सिस्टम, और फास्ट ट्रैक सर्विस की बातें करने लगे हैं। जलेबी को जल्दी पाने की होड़ में लोग अब अपने पांवों की चप्पलें तक छोड़ देते हैं। 'अगर जलेबी अच्छी मिली, तो फिर सब कुछ भूल जाओ!' यही मंत्र अब हर ग्राहक की जुबान पर चढ़ गया है।

इस पूरे परिदृश्य में, जलेबी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह लोगों को एकजुट करती है। समाज के हर वर्ग के लोग, चाहे वे अमीर हों या गरीब, जलेबी के चक्कर में एक साथ आते हैं। और यह जलेबी के साथ-साथ उनके बीच एक मिठास भी घोलती है।

वास्तव में, जलेबी अब केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि यह समाज का एक ऐसा दर्पण बन गई है, जिसमें हमारी संस्कृति, हमारी प्राथमिकताएं, और हमारे जिज्ञासा का प्रतिबिंब देखने को मिलता है। तो अगली बार जब आप जलेबी के लिए अपनी जेब से पैसे निकालें, तो जरा सोचिए कि यह सिर्फ एक मिठाई नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

महेश कुमार केशरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

लहसन, प्याज और सफाचट बाबू

'हमारे यहां एक बंगाली बाबू हुआ करते थे। नाम था उनका सफाचट बाबू। पेशे से वकील थें। आधुनिकता उनकी सोच में थी। पुरातन के घोर विरोधी थें। गार्लिक और ऑनियन में सफाचट बाबू के प्राण बसते थे। वो सावन भादो, आसिन, कार्तिक कुछ नहीं मानते थे। वो दूर से ही किसी होटल में बन रहे गार्लिक और ऑनियन के पेस्ट को भुनते हुए सूँघ लेते। तो मताए हुए हाथी की तरह उस होटल का रूख कर लेते। यानी कुल मिलाकर मुर्गा, मीट, और मछली के बहुत ही शौकीन थें। उनके और भी दो-तीन डॉक्टर मित्र और कुछ बड़े प्रापर्टी डीलर मित्र हुआ करते थें। डॉक्टर मित्र जब जब सफाचट बाबू बीमार पड़ते तो उनको मीट मछली मुर्गा अण्डा खाने की सलाह देते। उन्हीं दिनों की बात है।

सफाचट बाबू परेशान थें। उन्होंने बुढ़ापे में दूसरी शादी कर ली थी। उनको ये स्थिति कोढ़ में खाज की तरह लगती थी। वो किससे परेशान थें। ये कहना अभी ठीक नहीं है। या शायद उनको ठीक - ठीक समझ नहीं आ रहा था। उनकी पत्नी अभी युवा थी। गली मुहल्ले के लुच्चे लफँगे लड़को की नजर उनकी पत्नी पर थी। वो साग- भाजी, सौदा -सुलफ लाते हुए, मेनका को छेड़ते। मेनका भी मुस्कुरा कर रह जाती। सफाचट बाबू परेशान हो जाते। जवानी लौटाने के सारे नुस्खे उन्होंने आजमा लिये थें। बालों में खिजाब लगाते। अखाड़े वो रोज जाते नियम से ! वहाँ वो बीस साला, तीस साला लड़को को देखते। तो अपने जवानी के दिन याद करने लगते। लड़को को मूगदर भाँजते देखते तो उनको लगता वो खुद भाँज रहे हैं। इस तरह घर आकर अपनी छाती फूलाते। डंड पेलते। छातियों को निकालकर मुहल्ले के लड़कों को दिखाते। फिर भी उनको एक असुरक्षा की भावना ने घेर रखा था। बादाम और दूध सुबह शाम लेते। कसरत और वर्जिस से अपने जवान होने का सबूत पूरे मुहल्ले को देते। लेकिन, पत्नी मेनका के पास जाते तो पुराने हवा लगे पटाखे की तरह फुस्स हो जाते। मेनका सिर पकड़ लेती। खैर, मेनका चटोरी किस्म की थी। चिकन मटन में उसके प्राण बसते थे। तीस साला मेनका आग का गोला थी। और सफाचट बाबू फुस्स पुराने पटाखा।

एक बार उनके पास एक नया नौकर आया था। नाम था उसका बँबूलाल। बँबूलाल बहुत ही सीधा - साधा और साधारण भोजन करने वाला प्राणी था। एक दिन जब बँबूलाल ने मालिक को चिकन खाते देखा तो बोला। मालिक आप लहसन, प्याज ना खाया करें। ये सब तामसिक भोजन है। लहसन, प्याज का जन्म आपको पता है कैसे हुआ है। दर असल जब समद्र मंथन हुआ था। तो उसमें जो अमृत निकल था। उनको देवताओं में बराबर - बराबर बाँटा जा रहा था। देवताओं में छिपकर दो राक्षस राहू और केतू भी बैठ गये थे। और जब अमृत बँटा तो उसमें से थोड़ा - थोड़ा अमृत राहू और केतू के मुँह में भी चला गया। इस तरह बहुत थोड़ा सा अंश ही उनके मुख में गया था। देवता डरे और बोले इस तरह तो ये दोनों अमर हो जायेंगे। इसलिये इनका सिर काटकर अलग किया जाये। और अंततः राहू और केतू का सिर काट दिया गया। जिससे अमृत उनके मुख से उनके पेट में ना जा सका। खैर; राहू और केतू के रक्त पृथ्वी पर जहाँ - जहाँ गिरे। वहाँ - वहाँ लहसन और प्याज पैदा होते हैं, मालिक। मालिक के सामने बँबूलाल का चेहरा था। उनको अपनी अवस्था याद आ रही थी। उन्हें अपनी शारीरिक दुर्बलता नजर आ रही थी। और सबसे ज्यादा उन्हें उनकी पत्नी मेनका याद आ रही थी।

सफाचट बाबू सत्तर वर्षीय बंगाली ब्राह्मण थें। बँबूलाल की बात सुनी तो उनकी हीन -ग्रँथियों ने उनके पेट में उथल - पुथल मचा दी थी। उन्हें बार - बार लहसन -प्याज का भूँजा हुआ सुनहरा पेस्ट याद आता। अण्डे की भुजिया, मुर्गे का शोरबा, और मटनकरी की याद आ जाती। फिर राहु और केतू की याद आ जाती। समुद्र मंथन याद आ जाता। अमृत याद आ जाता। फिर राहू केतू, के कटे सिर नजर आ जाते। तब वो मंथन करने लगते। अपने को राहू - केतू की तरह विवश पाते। बुढ़ापे ने सफाचट बाबू का जवानी रूपी सर काट दिया था। सुदूर पृथ्वी पर उनकी जवानी राहू-केतू के रक्त की तरह उन मुहल्ले के लफँगों में समा गई थी। तब वे तो ब्राह्मण ही थे। ईश्वर ही थे। तो उनको क्या ये अधिकार था। कि वो उन लफँगों का सिर काट कर पृथ्वी के किसी सुदूर हिस्से में फेंक दें। लेकिन वो आदमी थे। उनके अंदर आदमियत थी। वो ईश्वर की तरह तो नहीं थें ना ! कि लफँगों का सिर काट दें। समुद्र मंथन की तरह वो जितना भी मँथन करते उसमें वो धँसते चले जाते। लहसून और प्याज जरूर राहू और केतू के रक्त से बने होंगे। लेकिन उनके औषधीय गुण को नकारा नही जा सकता।

ये सफेद प्याज का पराक्रम ही कि इसके रस को सोंठ के साथ मिलाकर सेवन करने से कफ की बीमारी ठीक हो जाती है। अगर नाक से रक्तस्राव होता हो। तो प्याज के रस को नाक में दो- चार बूँद डालने से नाक का रक्तस्राव ठीक हो जाता है। लहसून के बारे में जब सफाचट जी सोचते तो उन्हें याद आता। कि ये वही राहू केतु के रक्त से बना लहसून है। जोकि सुबह सुबह खाली पेट खाने से कोलेस्ट्रोल, ब्लडप्रेशर और हृदय रोग से बचाता है। ये वही लहसुन है। जो शरीर की इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। ये वही लहसून है जो पाचन तंत्र को भी ठीक करता है। ये वही लहसून है। जो गैस और अपच की समस्या को भी ठीक करता है।

उनके कान में उनके एक गुरू ने एक बात फूँक दी थी। कि मेनका के सामने बीस साला पठ्ठे बने रहना चाहते हो। और पुराने पटाखे की तरह फुस्स नहीं होना चाहते तो। लहसुन- प्याज डालकर रोज देशी मुर्गी और ऑमलेट खाओ। लिहाजा अभी सफाचट जी गुरू की बात मान रहें हैं। और लहसून प्याज का नियमित सेवन कर रहें हैं !

सामयिक

सुसंस्कृति परिहार

लेखक स्तंभकार हैं।

जनक नंदिनी सीता को बनाएं अपना आदर्श

बाल्मीकि रामायण में जानकी पहली बार तब बोलती हैं जब वे वन गमन के अवसर पर राम के साथ जाने की अनुमति चाहती हैं। पति के मुख पर दुख की छाया देखने पर वे कहती हैं,प्रभु आपको क्या हो गया! वे वनवास की खबर से जरा भी उदास नहीं होतीं और राम की देखभाल,रास्ते की बाधाओं को दूर करने तथा उन्हें सब तरह से प्रसन्न रखने के लिये राम के साथ वन जाने की उत्कंठा जाहिर करतीं हैं। जब राम वन की कठिनाईयों को उन्हें विस्तार से बताकर अपने साथ ले जाने में अनिच्छा व्यक्त करते हैं तब वह राम को सहज प्रसन्नता के साथ,सहसा यह भरोसा दिलाती हैं कि वन में वे उन पर किसी तरह का भार नहीं बनेगी। बहुत समझाने पर भी जब राम उनकी बात नहीं मानते तब वे अकाट्य तर्क देते हुए कहतीं हैं –यदि मेरे पिता को पता होता कि राम इतने डरपोक हैं, तो वे आपसे मेरा विवाह नहीं करते। इस बात पर राम चुप हो जाते हैं और फिर उन्हें वन ले जाने सहमत भी। स्पष्ट है, जानकी कम बोलने पर भी, अवसर पड़ने पर विनम्रता के साथ दृढ़ता दिखाने की क्षमता रखती हैं।

आज जब नवरात्रि पर्व बड़े गर्व, हर्ष और जोश के साथ मनाया जा रहा है तब महाकलिका सीता की याद आना स्वाभाविक है। ये वे पुत्री, पत्नी,भाभी और माता है जिसका जीवन वृत्त नारीशक्ति को संबल देने वाला है राम के कठिन वक्त में प्रकट होने वाली महाकालिका सीता का यह स्वरूप आज भी देश दुनिया की महिलाओं में मौजूद है। वे कठिन वक्त अपनी छुपी शक्ति का इस्तेमाल करती हैं जिसका अहसास किसी पुरुष को नहीं होता। यहां तक कि कथित भगवान राम भी सीता की इस अंतर्शक्ति को अंत में ही समझ पाए। इसे सिर्फ जानकी नंदन ही समझ पाए थे जब उन्होंने शिव धनुष उठाए सीता को देखा था इसलिए उनके विवाह हेतु शिव धनुष उठाने की शर्त रखी गई थी।कहते हैं,जनक ने सीता को बांये हाथ से शिव जी का भारी धनुष वाण उठाते देख लिया था तभी उन्होंने यह प्रतिज्ञा की थी कि जो व्यक्ति इस धनुष को उठायेगा उसी से सीता का वरण होगा। वह धनुष साधारण नहीं था। धनुष जिसके बारे में कहा जाता है' भूप सहस्त्र दस बारंबारा/ लगे उठावन टरै ना टारा।' ये दोनों प्रसंग निश्चित तौर पर सीता को अद्वितीय शक्तिशालिनी सिद्ध करते हैं ।

सबसे गंभीर बात यह है कि भारतीय समाज में अमूनन साजिशन जिस सीता की चर्चा होती है या जिनका आदर्श महिलाओं के लिये प्रेरणास्पद माना जाता है वह तुलसीकृत रामचरित मानस में वर्णित कपोल कल्पित सीता हैं जो दीन हीन है पुरुष के अच्छे बुरे सभी आदेशों को मानने मजबूर हैं। रामायण की सीता क्रांतिकारी, धीर गंभीर है। उसका अपना वजूद है। वह जुझारू कामरेड की प्रतिमूर्ति नज़र आती है।

ज़रा कल्पनाओं से हटकर बाल्मीकि रामायण का रूख करें तो पायेंगे कि सीता यानि जानकी एक सीधी साधी मूक, पति का आंख मूंदकर अनुकरण करने वाली पत्नि नहीं हैं बल्कि एक जागरूक,साहसी,दृढ़,न्याय प्रिय, निर्भीक, तर्क-वितर्क करके विरोध दर्ज कराने वाली,जबरदस्त मनोबल से भरपूर ,उच्च संस्कार से सम्पन्न, मुखर, स्वाभिमानी एवं शालीनता से भरपूर पति की प्रगति में सहयोगी ,उस युग की महत्वपूर्ण सशक्त नारी थी ।

यही वजह है कि बाल्मीकि ने रामायण को राम का अयन नहीं बल्कि रामा यानि सीता का अयन मानते हुए अपनी पुस्तक का नाम 'रामायण' दिया। रामायण में वे सीता को प्रमुख मानते हुए 'सीता:पतये नम:' कहते हैं। संभव है, लोकजीवन में सीता राम अभिवादन तभी से शुरू हुआ हो सकता है। कहने का आशय यह कि लोकजीवन का विवेक भी सीता को राम से पूर्व ही स्वीकारता है। लोकजीवन का यही विवेक विभीषण को जिसका राजतिलक स्वत: राम ने किया तथा जिसे तुलसीदास रामभक्त मानते हैं उसे घर का भेदी लंका ढाये कहकर मीरजाफर और जयचंद के बगल में खड़ा कर देता है। यही विवेक लोक कथाओं और लोकगीतों में सीता को राम से बड़ी शक्ति घोषित करता है। महारावण के रक्त बीज से जब राम परास्त होते हैं तो उन्हें सीता का स्मरण करना पड़ता है वे महाकालिका के रूप में प्रकट होकर महारावण का वध कर खून को अपने खप्पर में भरकर पी जाती हैं तब कहीं जाकर महारावण का अंत संभव हो पाता है। पस्त परे रावन सें रघुवर/याद करें सीता खों रघुवर/चली करन कल्याण हो महाकाली कालिका। लोकगीतों में सीता का इसलिए ज़्यादा प्रशस्तिगान मिलता है ।

बाल्मीकि रामायण में जानकी पहली बार तब बोलती हैं जब वे वन गमन के अवसर पर राम के साथ जाने की अनुमति चाहती हैं। पति के मुख पर दु ख की छाया देखने पर वे कहती हैं,प्रभु आपको क्या हो गया! वे वनवास की खबर से जरा भी उदास नहीं होतीं और राम की देखभाल,रास्ते की बाधाओं को दूर करने तथा उन्हें सब तरह से प्रसन्न रखने के लिये राम के साथ वन जाने की उत्कंठा जाहिर करतीं हैं। जब राम वन की कठिनाईयों को उन्हें विस्तार से बताकर अपने साथ ले जाने में अनिच्छा व्यक्त करते हैं तब वह राम को सहज प्रसन्नता के साथ ,सहसा यह भरोसा दिलातीं हैं कि वन में वे उन पर किसी तरह का भार नहीं बनेगी। बहुत समझाने पर भी जब राम उनकी बात नहीं मानते तब वे अकाट्य तर्क देते हुए कहतीं हैं –यदि मेरे पिता को पता होता कि राम इतने डरपोक हैं, तो वे आपसे मेरा विवाह नहीं करते। इस बात पर राम चुप हो जाते हैं और फिर उन्हें वन ले जाने सहमत भी। स्पष्ट है,जानकी कम बोलने पर भी ,अवसर पड़ने पर विनम्रता के साथ दृढ़ता दिखाने की क्षमता रखती हैं।

जानकी अपने सभी कामों के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना से युक्त होने पर भी राम का अंधानुकरण नहीं करतीं। उनका अपना व्यक्तित्व ही है कि राम के कामों पर शंका उत्पन्न होने पर उसे व्यक्त करने में संकोच नहीं करता उदाहरण स्वरूप जब राम दंडकारण्य से सभी दानवों को नष्ट करने की प्रतिज्ञा करते हैं तो वे बड़ी विनम्रता और शिष्टता से पूछतीं हैं कि ऐसे निरीह प्राणियों को जो उन्हें हानि नहीं पहुंचा रहे हैं नष्ट करना कहां तक न्याय संगत है?

सीता वनवास के समय अपनी सुरक्षा के विषय में नहीं वरन् अपने पति राम तथा उनके भाई लखन के लिये चिंतित रहती हैं क्योंकि उन्हें उनके कारण कष्ट उठाना पड़ रहा है। दंडक वन में सबसे पहले उनको विराध नामक राक्षस का सामना करना पड़ता है। यह राक्षस पहले जानकी को उठाकर ले जाता है फिर राम लखन को विरोधी पाकर जानकी को तो छोड़ देता है पर दोनों राजकुमारों को ले जाने की कोशिश करता है ।इस संकट के समय सीता उस राक्षस से अनुरोध करती हैं कि वह दोनों राजकुमारों को छोड़कर स्वयं उन्हें ले जाये। असामान्य मनोबल वाली सीता के सिवाय कोई महिला इस प्रकार की बात नहीं कह सकती है।

जानकी स्वभावत: निर्भीक है। जब रावण बुरे उद्देश्य से भेष बदलकर उनके पास आता है तो वे उसे सचमुच साधु मानकर उसके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करती हैं। उसे आदर सहित कंदमूल भेंट करके अपने पति के लौट आने का कहतीं है। जब रावण अपने को राम से श्रेष्ठ दिखाकर उन्हें प्रभावित करने की चेष्टा करता है तब भी वे उसे उचित उत्तर देने में संकोच नहीं करतीं तथा उस दुर्व्यवहार के परिणाम से सावधान करतीं हैं। वे बराबर उसे साधु शब्द से सम्बोधित करतीं हैं यह उनके उच्च संस्कार से सम्पन्न होना दर्शाता है ।

अशोक वाटिका में हनुमान जब जानकी को देखते हैं तब जानकी की दृष्टि हनुमान पर नहीं पड़ती। जानकी की दृष्टि को अपनी ओर आकृष्ट करने में हनुमान को पन्द्रह सर्गों के अन्तराल की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इस अवधि में हनुमान की मानसिक दशा कैसी रही होगी। जब जानकी हनुमान को देख लेती हैं तब हनुमान सावधानीपूर्वक अपना परिचय देते हैं। विश्वास अर्जित कर लेने तथा यही जानकी है, जान लेने के बाद हनुमान उन्हें कंधे पर बैठाकर राम के पास ले जाने का प्रस्ताव रखते हैं। जानकी इस प्रस्ताव को अस्वीकृत कर देतीं हैं और कहतीं हैं कि रावण जिस ढंग से उन्हें उठाकर ले आया है उसी तरह उनका यहाँ से भागना अनुचित है। उचित यही है कि राम,रावण का सामना करें। उन्हें सामर्थ्य और शालीनता से प्राप्त करें।

जानकी का सबसे सबसे बड़ा गुण यह है कि वे दूसरों का बुरा नहीं सोचतीं चाहे वह कितने ही बुरे विचारों वाला ही क्यों न हो? वे मानवीय अधिकारों की पैरवी करतीं हैं। राम के विषय में चिंतित होने पर लक्ष्मन के प्रति बोले गये,कठोर शब्दों के लिए बारबार प्रायश्चित भी करती हैं। कभी वे अनुनय भी करतीं हैं कि यह दुखद स्थिति उनके दुर्भाग्य और बुरे बर्ताव के कारण बनी है।दूसरे की गल्तियों को भुलाकर उन्हें क्षमा करने वे सदैव तत्पर रहती हैं।

राम जब सीता से ये कहते हैं कि चाहे जो कुछ भी हुआ हो लंका में एक वर्ष रहने के बाद मैं तुम्हें अपनाने और अयोध्या ले जाने तैयार नहीं हूं। मैंने अपना कर्तव्य पूरा कर दिया। अब अपनी इच्छानुसार कहीं भी जाने के लिये तुम स्वतंत्र हो अपने पति की निर्मम और कठोर टिप्पणी की प्रतिक्रियास्वरूप राम के विलक्षण व्यवहार पर वह आश्चर्य प्रकट करतीं हैं और कहती है कि यदि आपको वास्तव में मेरी पवित्रता और चरित्र पर संदेह है तो हनुमान के माध्यम से यही क्यों नहीं कहला दिया इससे आप और मेरे लिए लड़ने वाले ये सारे लोग शारीरिक और मानसिक यातना से बच जाते। युद्ध पीड़ितों की वेदना का एहसास उनकी मानवीयता और सहृदयता का परिचायक है। वे राम से स्पष्ट रूप से कहतीं हैं कि आश्चर्य है ,आप मुझमें केवल दुर्बलता,चंचलता तथा अवगुणों से पूर्ण एक साधारण स्त्री को ही देख पाये। वे उनकी दया के लिये प्रार्थना नहीं करतीं। वे इस धरती के सबसे पावन तत्व अग्नि से शरण मांगतीं हैं वे सोचती हैं कि जो कठोर वचन उनसे कहे गये,उससे अग्नि ज्यादा भयंकर नहीं हो सकती है ।

वनवास के दौरान बाल्मीकि आश्रम में रहकर पुत्रों को जन्म देकर पालन करतीं हैं। जब राम के दरबार में पुत्रों सहित जातीं हैं तब भी दया की भीख नहीं मांगती ना ही राजाराम की प्रतिष्ठा पर आंच नहीं आने देती हैं सिर्फ पृथ्वी मां से निर्भीक होकर अनुरोध करती हैं कि वह अपनी बेटी को शाश्वत शरण और शांति प्रदान करें और देखते ही देखते पृथ्वी में समा जाती हैं ।

कहना ना होगा,कि रामचरित मानस को यदि अल्प समय के लिए विस्मृत कर दें तो मूल रामायण एवं लोकमानस में सीता का स्थान राम से कहीं ज्यादा ऊंचा है। यही वजह है कि वे अहिल्या , द्रौपदी, तारा, मंदोदरी के साथ हैं जो कि मानव संस्कृति के इतिहास की पांच महाकन्याओं में स्थान प्राप्त कर सकीं। इसीलिए बाल्मीकि ने स्वयं कहा है–सीताश्चरितम् महत्।

कुल मिलाकर सीता का व्यक्तित्व आज के हालात में दुनिया की तमाम महिलाओं के लिए आदर्श और प्रेरणास्पद है।

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

लोकतंत्र को नयी राजनीतिक बैटरी चाहिए

तो देश की जनता ही है। समस्या यह है कि ये छोटे-छोटे पावर हाउस अनेक जातियों-उपजातियों के हैं जो बहुत आसानी से किसी राजनीतिक दल को नसीब नहीं होते और उसकी राजनीतिक बैटरी ही कभी पूरी चार्ज नहीं हो पाती। इसका परिणाम यह होता है कि राजनीतिक दल का देश के समग्र जीवन से मोबाइल सम्पर्क टूट जाता है।

भी हाल ही में एक राज्य की विधानसभा के चुनाव में देश की एक सौ चालीस साल पुरानी राजनीतिक पार्टी सरकार बनाने लायक बहुमत न पा सकी तो इस पार्टी के किसी प्रवक्ता ने कहा कि ...हम इन नतीजों को नहीं मानते। यह बात सुनकर अजीब लगा कि आप अपनी ही करनी के फल को भोगने से इंकार करते हुए जनमत की अवमानना कर रहे हैं। एक और प्रवक्ता बोला कि ...चुनाव आयोग हमारे पक्ष में आने वाले परिणामों को धीमी गति से घोषित कर रहा था इसलिए हमारी पार्टी पीछे रह गयी। एक प्रवक्ता ने तो मतदान को दर्ज करने वाली मशीन पर यह हास्यास्पद आरोप लगा दिया कि उसकी बैटरी चार्ज नहीं थी शायद इस कारण हम हार गये।

मेरे मन में प्रश्न उठा कि लोकतंत्र की बैटरी तो राजनीतिक दल ही होते हैं। अगर यह बैटरी ही खराब हो जाये और चार्ज होने की शक्ति खो दे तो लोकतंत्र का क्या होगा? फिर मैं विचार करने लगा कि इस बैटरी को चार्ज करने वाला पावर हाउस इस सबसे पुराने राजनीतिक दल के साथ यही हुआ है। देश के स्वतंत्र होने के बाद से ही यह कोशिश ही नहीं की गयी कि जाति-सम्प्रदायों के भेदभाव को त्यागकर देश का जन समुदाय लोकतंत्र की राजनीतिक बैटरी को चार्ज करने वाला मजबूत पावर हाउस बन सके। भांति-भांति की राजनीतिक कम्पनियों की बैटरियॉं भी अलग-अलग होती हैं जिन्हें चार्ज करने के लिए कई जातियों के ब्राण्ड वाले पावर प्लग चाहिए। जाहिर है कि देश के जीवन को बिखराकर अपने वोट बैंक बनाने वाले किसी भी राजनीतिक दल की लोकतांत्रिक बैटरी कभी पूरी चार्ज नहीं हो सकती।

मैं यह सब सोचते हुए इस नतीजे पर पहुॅंचा कि हमारे राजनीतिक दल अपनी आधी-अधूरी बैटरी चार्ज करके लोकतंत्र के नाम पर अपनी ही रोजी-रोटी चला रहे हैं। उन्हें इसकी परवाह ही नहीं कि लोकतंत्र में जनता के पावर हाऊस का क्या हाल है।

चुनाव जीतने के लिए मुफ़्त बिजली बांटने की राजनीति जनता के पावर हाउस को ही कमजोर कर रही है। यही कारण है कि लोकतंत्र के पक्ष में किसी राजनीतिक दल की पूरी बैटरी चार्ज नहीं हो पा रही है।

लोकतंत्र के जगमग पावर हाउस का निर्माण ज्ञानवान और हुनरमंद जन-मन-गण से ही होता है। पर इस क्षेत्र में हमारे राजनीतिक दलों का योगदान कितना कम दिखायी पड़ता है।

यही कारण है कि संसद और विधान सभाएं जनता के हाथ में थमाया गया महॅंगा खिलौना बनकर रह गयी हैं। हमारे प्रतिनिधि जैसे -तैसे जीतते रहते हैं। वे अपनी हार बर्दाश्त नहीं कर पाते। वे यह समझना ही नहीं चाहते कि लोकतंत्र अपनी विफलताओं से सीखकर ही निखरता है। वह किसी की जीत-हार का तंत्र नहीं, उत्तम चयन की उम्मीद का तंत्र है।

कहीं ऐसा तो नहीं कि पुरानी पड़ गयीं सब राजनीतिक बैटरियॉं अब इतनी खराब हो चुकी हैं कि उनका चार्ज होना ही नामुमकिन हो। जिस खिलौने में जितनी चाबी भर जाती है वह उतना ही तो चलता रहता है फिर ठिठक जाता है। टेक्नालाजी से भरती जा रही दुनिया तरह-तरह की बैटरियों से चल रही है। बड़ी तेजी से पुरानी बैटरियॉं बदली जा रही हैं। लगता है लोकतंत्र को भी नयी राजनीतिक बैटरी चाहिए।

महिला क्रिकेट

अनुराग तागड़े

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

कमेंट्स से बचाने के लिए आईसीसी का नया प्रयोग

क्रिकेट के दर्शक अपने प्रिय खिलाड़ी से इतना ज्यादा जुड़ जाते हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा खिलाड़ी का एक बार भी असफल होना पसंद नहीं आता। उनका गुस्सा कमेंट्स और मीम्स से निकलता है। पुरुष खिलाड़ी तो फिर भी ऐसी स्थिति को झेल लेते हैं, पर महिला खिलाड़ी ऐसी स्थिति में विचलित हो जाती हैं, जिसका सीधा असर उनके खेल पर पड़ता है। बीसीसीआई के लिए ऐसी स्थिति निपटना एक तरह से चुनौती है। उसे इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने महिला टी-20 विश्वकप के लिए काफी तैयारी की, जिसमें सोशल मीडिया के नकारात्मक कमेंट से बचाव भी शामिल है। दुबई और शारजाह में खेले जा रहे महिला टी-20 क्रिकेट विश्वकप के पूर्व आईसीसी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग कर आईसीसी की वेबसाइट और सभी सोशल मीडिया के हैंडल्स पर नकारात्मक कमेंट से बचने का प्रयास किया। दरअसल, आईसीसी ने गोबब्बल नामक कंपनी को आईसीसी की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल्स को देखने के लिए कहा है। यह कंपनी एआई का प्रयोग करती है और नकारात्मक कमेंट्स से बचाती है।

क्रिकेट खिलाड़ी मैदान पर अपने खेल का प्रदर्शन करता है और जब प्रदर्शन अच्छा नहीं होता, तो फैंस से लेकर अन्य ऐसे लोग जो प्रदर्शन से खुश नहीं होते, वे तरह-तरह के कमेंट करते हैं। इतना ही नहीं मीम्स की भी बाढ़ आ जाती है। खिलाड़ी जब यह देखता है तब इन सभी का असर उसके प्रदर्शन पर पड़ता है और वह मानसिक रुप से परेशान होता है। आईसीसी की पुख्ता तैयारी के बाद भी सोशल मीडिया पर भारत-न्यूजीलैंड के मैच के बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों के लचर प्रदर्शन को लेकर काफी नकारात्मक कमेंट हुए। आईसीसी ने स्वयं के अलावा 60 महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को भी इसके लिए राजी किया है जो इस प्रकार की सुविधा चाहते है। इन खिलाड़ियों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी एआई द्वारा नियंत्रित किया जाता है ताकि नकारात्मक कमेंट उन तक नहीं पहुंचे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिस तरह से न्यूजीलैंड के साथ मैच खेला उसे देखकर फैंस का नाराज होना स्वाभाविक था। परंतु फैंस कई बार भावावेश में इतना कुछ लिख देते है या मीम्स बना देते है कि वह मीम्स या कमेंट वायरल हो जाते हैं। इसका असर सीधे रुप से खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। भारत के खिलाड़ियों ने हालांकि दूसरे मैच में पाकिस्तान को हरा दिया परंतु भारतीय टीम लय में नजर नहीं आई। उसके अगले दो मैच श्रीलंका और आस्ट्रेलिया से है। इस कारण सेमीफायनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को काफी जोर लगाना होगा। यह बात फैंस जानते है इस कारण वे न्यूजीलैंड से जीतने की उम्मीद कर रहे थे। परंतु, खराब क्षेत्ररक्षण और औसत बॉलिंग और बैटिंग के कारण भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। कुछ समय पहले जब आईपीएल में मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या को फैंस से काफी नाराजगी झेलना पड़ी थी। उसका असर उनके खेल पर भी पड़ा था। इन दिनों कई युवा खिलाडी भी अपनी प्रतिभा के बल पर टीमों में जगह बना रहे, परंतु एक बार भी उनका प्रदर्शन खराब रहा तब सोशल मीडिया पर उस खिलाड़ी का विरोध होना आरंभ हो जाता है। ऐसे में उस युवा खिलाड़ी को काफी मानसिक संत्रास झेलना पड़ता है। बीसीसीआई को भी अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टूर पर खिलाड़ियों के मोबाईल प्रयोग के अलावा सोशल मीडिया को लेकर खिलाड़ियों के लिए गाईडलाईन जारी करना चाहिए।

जिस प्रकार से किशोरवय के खिलाड़ी जरा सा अच्छा प्रदर्शन होता है तब उसकी रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर डालने लगे है। उससे उनकी लाईक्स के प्रति आसक्ति बढ़ने लगी। वे अपने खेल को छोड़कर सोशल मीडिया पर ही ज्यादा समय बिताने लगता है। बीसीसीआई सहित तमाम राज्यों के क्रिकेट एसोसिएशन्स को कम आयुवर्ग के खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट के दौरान मोबाईल के प्रयोग और सोशल मीडिया के प्रयोग को लेकर गंभीर विचार करना चाहिए ताकि खिलाड़ी केवल खेल पर ध्यान दे सोशल मीडिया पर नहीं।

शहर में नवरात्रि की धूम, देवी प्रतिमाओं के दर्शनों के लिए उमड़ रही भीड़

नयनाभिराम प्रतिमाएं और सजावट लोगों को कर रही आकर्षित

बैतूल। शहर में चारों ओर दुर्गोत्सव की धूम है। जगह-जगह मातारानी की नयनाभिराम प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिए सुबह-शाम भारी भीड़ लग रही है। वैसे तो शहर में आधा सैकड़ा से अधिक स्थानों पर मातारानी की प्रतिमाएं विराजमान है, लेकिन कुछ चुनिंदा स्थानों पर मातारानी की विशाल प्रतिमाएं स्थापित की है, जहां सुंदर झांकियां भी बनाई है। इन प्रतिमाओं के दर्शन करने बच्चे, बूढ़े, महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रही है। इधर नवरात्र में पूरा शहर दुल्हन की तरह सजा हुआ है और जगह-जगह माता के पंडालों में शाम से लेकर देर रात गरबे की धूम है। कई कॉलोनियों में नन्हीं बालिकाओं के साथ युवतियां भी गरबा करती हुई नजर आती है। दरअसल नौ दिनों तक मनाई जाने वाली शारदीय नवरात्रि में मां शेरावाली के नौ रूपों की पूजा की जा रही है। शहर के गंज स्थित बिजासन माता मंदिर में जहां अखंड ज्योति जलाई गई है, वहीं टिकारी में माँ काली के पंडाल में न सिर्फ शहर बल्कि आसपास के ग्राम अंचलों से श्रद्धालु पहुंचकर दर्शनों का लाभ ले रहे है। सुबह से शाम और देर रात तक माता के भजनों और गरबे की धूम से पूरा शहर में ऐसा वातावरण बन गया है, जैसे चारों ओर भक्ति का बयान बह रही है।

कोई चढ़ा रहा जल, तो कोई व्रत रखकर कर रहा आराधना

माँ की आराधना में हर कोई लीन है। छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध और महिलाएं प्रतिदिन मंदिर पहुंचकर माता मंदिरों में जल अर्पित कर रही है। कुछ लोगों ने निराहार व्रत भी रखा है। सभी कोई अपनी श्रद्धा, सामर्थ्य और शक्ति के अनुसार मातारानी की आराधना में डूबा है। कहीं जगराता करके मातारानी की भक्ति की जा रही है तो कहीं, देवी की प्रतिमा के समक्ष गरबा खेला जा रहा है। आरती के लिए पूजा पंडालों में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। शारदीय नवरात्र के मौके पर समितियों की ओर से जगह-जगह पर कलश स्थापित की गई है। श्रद्धालु यहां पहुंचकर सुख, समृद्धि के लिए माता से आर्शीवाद मांग रहे है। मंदिर, पूजा पंडाल व घरों से सुगंधित खुशबू की फिजां और पूजा की घंटियां भोर से ही वातावरण को भक्तिमय बना रही हैं।

दुर्गा मंदिरों की सजावट कर रही आकर्षित

शहर के पूजा पंडालों में विभिन्न मंदिरों की झलक दिख रही है। नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति इटारसी रोड सदर बैतूल द्वारा पंडाल के आसपास की जगहों को भी रोशनी से जगमग किया गया है साथ ही पंडाल से लगे बजरंग मंदिर को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया है। यहां लगभग 47 वर्षों से देवी माता की स्थापना की जा रही है। रात्रि में देवी गीतों का आयोजन किया जा रहा है। शहर से लेकर गांव धार्मिक रंग में रंगे हुए दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में भी मंदिरों की आकर्षक ढंग से सजावट की गई है। सुबह से ही महिलाएं व युवतियां ही नहीं, छोटी-छोटी बच्चियां भी मंदिरों में रंग बिरंगे परिधानों में हाथों में जल का लोटा लिए हुए देवी गीत गाती हुई मंदिरों में पहुंच रही है। घर-घर में दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जा रहा है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्रि के पर्व पर भारी उल्लास देखा जा रहा है।

ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज ने 5 वार्डों को गोद लेकर शुरू की निःशुल्क चिकित्सा सेवा

बैतूल। भारत भारती जामठी स्थित ओम स्वास्थ्य एवं शिक्षा परिषद द्वारा संचालित ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं श्री ओम चिकित्सालय ने बैतूल नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले 5 वार्डों को गोद लेकर निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने की नई पहल की है। मंगलवार, 8 अक्टूबर 2024 को नगर पालिका परिषद बैतूल के कार्यालय में इस समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर और ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विरेन्द्र के. शाह ने वार्डों के पार्षदों और संस्था के सचिव श्री शिवकिशोर पाल, महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. राजकुमार मिश्रा, डॉ. विवेक झिंगरवार, डॉ. मंगेश धोटे, डॉ. अनंत वर्मा, इंटर्नीस और अन्य विद्यार्थियों की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह पहल ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के शल्य तंत्र विभाग के प्रमुख डॉ. संदीप पाल की दूरदर्शिता और संस्था अध्यक्ष गणेश मालवी तथा सचिव शिवकिशोर पाल के मार्गदर्शन में संभव हुई। इस एमओयू के तहत बैतूल नगर पालिका के आजाद वार्ड, शास्त्री वार्ड, देशबंधु वार्ड, राम नगर वार्ड और तिलक वार्ड को गोद लिया गया है। इन वार्डों में निःशुल्क चिकित्सा सेवा, स्वास्थ्य शिक्षा और जन जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। संस्था के सचिव शिवकिशोर पाल ने बताया कि ओम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज इन वार्डों में रहने वाले लोगों की चिकित्सा जिम्मेदारी उठाएगा, उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न शिविरों और कार्यक्रमों का आयोजन भी करेगा। इस पहल के माध्यम से कॉलेज का लक्ष्य है कि वार्ड वासी स्वस्थ रहें और उन्हें चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके। इस महत्वपूर्ण समझौते से बैतूलवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक नया कदम उठाया गया है, जो बेहद फायदेमंद साबित होगा।

बैतूल के बास्केटबॉल खिलाड़ी पवन मकोड़े का अग्निवीर में चयन

बैतूल। बास्केटबॉल के खेल में शहर का परचम लहराने वाले खिलाड़ी पवन पिता माणिकराव मकोड़े का चयन अग्निवीर की परीक्षा के अंतिम परिणाम में हो गया है। जिससे उनके परिवार सहित मित्रो में खुशी का माहौल है। बैतूल के वरिष्ठ बास्केटबॉल प्रशिक्षक राकेश वाजपेई ने बताया कि पवन अपनी ट्रेनिंग के लिए कामठी (महाराष्ट्र) के लिए रवाना भी होने वाले है, ट्रेनिंग के बाद उनकी पोस्टिंग होगी। अग्निवीर में भर्ती होने के लिए पवन काफी समय से मशक्कत कर रहे थे। पिछली बार भी पवन का सिलेक्शन अग्निवीर के लिए हो गया था, लेकिन मेडिकल क्लीयर न होने से वे रुक गये थे, किन्तु इस बार उन्होंने कड़ी मेहनत करके आखिरकार अग्निवीर बनने का अपना सपना साकार कर लिया। पवन ने अपनी सफलता का श्रेय पिता माणिकराव व माता सुनन्दा के अलावा वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश वाजपेई को दिया है। पवन ने 12वीं तक शिक्षा ओजस स्कूल बैतूल से की थी, इसके बाद ग्रेज्युवेशन के लिए वे इंदौर चले गये। पवन की स्कूल समय से ही सबसे ज्यादा रूचि बास्केटबॉल के खेल में रही है। बास्केटबॉल में उनका बेहतर प्रदर्शन रहा है और एक अच्छे खिलाड़ी के रूप में उन्होंने शहर का नाम रोशन भी किया है, अग्निवीर में सलेक्ट होने पर पवन को बैतूल बास्केटबॉल संघ सहित सभी बास्केटबॉल खिलाडियों और शुभचिंतको ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य शिविर आज से

बैतूल। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत आज 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने बताया कि 10 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 तक समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, संजीवनी क्लीनिक, समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित स्वास्थ्य शिविर एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में 11 अक्टूबर 2024, 14 अक्टूबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर, 16 अक्टूबर 2024 सिविल अस्पताल आमला, 18 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई, 19 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली, 21 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही, 23 अक्टूबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर, 24 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा, 25 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर एवं 26 अक्टूबर 2024 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला नोडल अधिकारी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ संजय खातरकर ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की स्क्रीनिंग, उपचार एवं परामर्श, मानसिक समस्या से ग्रस्त व्यक्ति की देखभाल कर्ताओं हेतु जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया जायेगा।

धू-धू कर जल गई रावण की लंका

रामलीला में आठवें दिन हनुमान की वीरता, बाली वध और लंका दहन का हुआ जीवंत मंचन

बैतूल। श्री कृष्ण पंजाब सेवा समिति के तत्वावधान में रामलीला मैदान गंज में आयोजित हो रही रामलीला के आठवें दिन बुधवार को आदर्श श्री इंद्रलोक रामलीला मंडल खजूरी जिला सीधी के कलाकारों ने हनुमान परिचय, सुग्रीव मित्रता, बाली वध और लंका दहन के प्रसंगों का मंचन किया। रामलीला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने इस अद्भुत प्रदर्शन का आनंद लिया। जब हनुमान जी ने रावण की सोने की लंका को जलाया, तो दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से मैदान गूंज उठा।

इससे पहले, सीता-हरण के मार्मिक दृश्य ने दर्शकों की आंखें नम कर दी थीं, वहीं लंका दहन के दौरान हनुमान जी का पराक्रम देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। रामायण के इस महत्वपूर्ण हिस्से को जीवंत करने के लिए कलाकारों ने भरपूर मेहनत की, जिससे दर्शकों का रोमांच चरम पर पहुंच गया।

रामलीला में दिखाया गया कि कैसे भगवान राम और लक्ष्मण, जटायु के कहने पर सीता माता की खोज में सुग्रीव से मिलते हैं। सुग्रीव, हनुमान जी को राम-लक्ष्मण की पहचान करने भेजते हैं। हनुमान जी ब्राह्मण वेश में राम-लक्ष्मण से मिलते हैं, और भगवान राम उन्हें पहचानकर वास्तविक रूप में बुलाते हैं। इसके बाद राम और सुग्रीव में मित्रता होती है। सुग्रीव, राम को अपने भाई बाली द्वारा छीन ली गई राजगद्दी की व्यथा सुनाते हैं। श्रीराम अपना वचन निभाते हुए बाली का वध कर देते हैं और सुग्रीव को पुनः राजा बना देते हैं।

लंका दहन से गूंज उठा रामलीला मैदान

सुग्रीव की ताजपोशी के बाद हनुमान जी, सीता माता की खोज में लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। वहां, अशोक वाटिका में सीता माता को देखकर हनुमान जी भगवान राम की मुद्रिका उन्हें देते हैं, जिसे देख सीता माता हनुमान जी को पहचानती हैं। हनुमान जी सीता माता को आश्वस्त करते हैं कि जल्द ही भगवान राम उन्हें यहां से ले जाएंगे। लौटते समय राक्षस हनुमान जी को पकड़ लेते हैं और उनकी पूंछ में आग लगा देते हैं। इसके बाद हनुमान जी पूरी लंका को जला देते हैं, जिससे सोने की नगरी राख में तब्दील हो जाती है, लेकिन अशोक वाटिका को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

-- रामलीला में आज--

आज के दिन रामलीला में रामेश्वर स्थापना और अंगद-रावण संवाद के प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। दर्शकों में इन अद्भुत प्रसंगों को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही

कार्रवाई : अव्यवस्थित खड़े 35 वाहनों से वसूला 8 हजार शमन शुल्क

बैतूल। यातायात पुलिस ने सडक़ों पर अव्यवस्थित एवं नो पार्किंग क्षेत्रों में खड़े वाहनों के विरूद्ध कार्रवाही की है। यातायात प्रभारी गजेंद्र केन ने बताया कि शहर की मुख्य सडक़ों एवं बाजारों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान आमजन को अनाउंसमेंट के माध्यम से अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटाने के लिए सूचित किया, कुछ लोगों ने तुरंत अपने वाहनों को हटाया, जो वाहन हटाए नहीं गए, उन्हें क्रेन की सहायता से उठाकर यातायात थाना बैतूल लाया गया। इसके साथ ही, कॉलेज चौक पर ठेले लगाने वालों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपने ठेले मुख्य सडक़ से 3 फीट पीछे लगाएं, अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 35 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 8 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूल किया। यातायात प्रभारी श्री केन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया द्वारा नवरात्र, गरबा, और दशहरा त्योहारों के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए उचित प्रबंधन के निर्देश दिए गए है। निर्देशानुसार यातायात प्रभारी, थाना प्रभारी गंज एवं थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा लगातार अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

बैतूल। सडक़ हादसे में एक की मौत हो गई, वहीं चार अन्य घायल है। घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक हादसा बुधवार सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच हुआ। हादसे में राजस्थान के मोडक निवासी बलवंत पिता राजेंद्र सिंह उम्र 40 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल है, जिसमें राजस्थान निवासी विनोद पिता सुबालाल नागर, राम संगम पिता जगन्नाथ नगर, ओमप्रकाश पिता गिरिराज नगर और नारायण पिता गोपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए बैतूल जिला अस्पताल भर्ती किया है।

अतिक्रमण न करने दुकानदारों को दी समझाईश

बैतूल/भौंरा। भौंरा के बिजली कॉलोनी की रहवासियों द्वारा स्थानीय विधायक गंगा उईके एवं तहसीलदार शाहपुर सुनयना ब्रहमें को कई दिनों से भौंरा के बिजली कॉलोनी में बदामी कहार एवं उसकी पत्नी द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत की जा रही थी, जिसके बाद आज बुधवार को राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की, और भविष्य में अतिक्रमण ने करने की समझाइश दी। भौंरा की महिलाओं द्वारा बताया गया कि विधायक मैडम के पास हम कई बार गए, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हुई और तहसीलदार मैडम को आवेदन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी, जिसके बाद नगर के बिजली कॉलोनी, बीजादेही चौराहा एवं बस स्टैंड के पास आधा दर्जन अतिक्रमण हटाये गये। तहसीलदार ने कहा कि बस स्टैंड एवं बीजादेही चौराहा के पास दुकानों का सामान सडक़ तक रखने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होता है। इस दौरान कई दुकानदारों ने स्वत- ही अपना-अपना सामान अंदर रख लिया, वहीं कुछ लोग अधिकारियों से इसका विरोध भी करने लगे। प्रशासन ने दुकानदारों को हिदायत दी कि अगर वे समझाइश के बाद भी आगे सडक़ तक सामान फैलाकर अतिक्रमण करते है, तो इसके बाद पुन और सख्ती से कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा की पार्किंग में आटो की एंट्री से मचा बवाल

नर्मदापुरम। जिला भाजपा कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी ने सोशल मीडिया पर मोबाइल फोन के माध्यम से भाजपा के सदस्यता अभियान पर विरोध जताकर सदस्यता अभियान पर ही सवाल उठा दिया। कहा जा रहा है यह विरोध उन्होंने अपनी वफादारी बरकरार रखने के लिए विशेष रूप से उठाया है। गौरतलब है इस विधान सभा चुनाव में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी डॉ सीतासरन शर्मा के विरुद्ध कार्य करने एवं भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने के कारण भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी सहित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने 6 वर्षों के लिए भगवती चौरे को निष्कासित किया गया था। आटो चुनाव चिन्ह पर निर्दलीय प्रत्याशी बतौर उन्होंने भाजपा के विरुद्ध प्रदेश स्तर पर सबसे ज्यादा 57 हजार वोट लेकर विधायक की गिरती लोकप्रियता का ग्राफ उजागर करवाया था उस भगवती चौरे को भाजपा नेता एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, भरत सिंह राजपूत,

नागेंद्र तिवारी की मौजूदगी में मोबाइल फ़ोन से भाजपा की सदस्यता दिलाकर पार्टी की मजबूती की दिशा में कदम उठाया। बस भगवती चौरे की भाजपा में वापसी होने को लेकर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष का पार्टी सदस्यता अभियान को लेकर बेतुके बयान को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासी नाराजगी है..? फिर नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाए इस अभियान में कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी दल का हो, किसी भी देश का हो, अपराधी हो, मोबाइल फोन के माध्यम से धड़ाधड़ सदस्यता ले रहे हैं। किसी को आपत्ति नहीं तो विधायक के विरुद्ध निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 57 हजार वोट लेने वाला भाजपा से निष्कासित पूर्व भाजपाई यदि मोबाइल फोन से सदस्यता लेता है तो सदस्यता अभियान पर सवाल उठाए जाने का औचित्य क्या..? कहा भी जाता है सुबह का भुला शाम को घर वापस होता है तो उसे भुला (निष्कासित) नहीं कहते हैं।

राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान को लखनऊ में राष्ट्रीय धरोहर सम्मान

धार । विश्व साहित्य सेवा ट्रस्ट, आगरा तथा माधवी फाउण्डेशन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साहित्य समारोह में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी अलंकरण प्राप्त राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान को राष्ट्रीय धरोहर सम्मान प्रदान किया गया । आयोजन राष्ट्रीय पुस्तक मेला सभागार, बलरामपुर गार्डन, लखनऊ में सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिदेशक के संपादक डा.ओंकार नाथ द्विवेदी ने की तथा मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. विद्या बिन्दु सिंह थीं ।इस अवसर पर साहित्य जगत की अनेक विभूतियाँ शामिल हुई ।

कार्यक्रम में शिखर कलश रखते हुए कवि यशवंत चौहान ने जब राष्ट्रीय चेतना का अलख जगाने वाली ओजस्वी कविता से अपना काव्य पाठ प्रारम्भ किया सम्पूर्ण सभागार करतल ध्वनि से गूँज उठा ।एक के बाद एक उन्होंने अपनी अनेक ख्याति प्राप्त रचनाओं को सुनाया ।इस अवसर पर उन्हें उनके खण्ड काव्य मुक्ताहार में पर्यावरण पर केंद्रित सर्ग के लिए विशिष्ट सम्मान दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कल्पना दुबे तथा प्रो.सुभाषिणी शर्मा घने किया। आभार ज्ञापन माधवी फाउण्डेशन की अध्यक्ष डा. मिथिलेश दीक्षित तथा विश्व साहित्य सेवा ट्रस्ट के संस्थापक डा.मोहन मुरारी शर्मा ने किया ।

माँ गढ़ कालिका के आंगन में मातृशक्ति के उमड़े ज्वार से धार की पावन धरा धन्य हो गई

शक्ति की भक्ति के अनूठे रंग से उत्सव और उल्लास की नगरी का पोर- पोर उत्साहित

(राजेश शर्मा)

बाबा धारनाथ और माँ गढ़ कालिका की पावन नगरी, राजा भोज की ऐतिहासिक धारा नगरी उत्सव और उल्लास की नगरी के रूप में प्रसिद्ध है.. इस उत्सव प्रिय शहर का कोई भी आयोजन किसी त्यौहार से कम नही होता है। बारिश की बुंदे भी मानों आज मां गढ़ कालिका का अभिषेक कर रही थी। बुधवार का दिन शक्ति की भक्ति के अनूठे रंग से सराबोर था। जय माता दी के उद्घोष से उत्सव और उल्लास की नगरी का पोर-पोर उत्साहित था।

धार की प्रसिद्ध सर्व धर्म ऐतिहासिक चुनरी कलश यात्रा में माता- बहनों की आस्था के उमड़े ज्वार से धार की पावन धरा धन्य हो गई।हजारों -हजार माता- बहनों की उपस्थिति से धार की धरा पर मातृशक्ति का महाकुंभ सा नजारा दिखाई दिया। शहर के हर धर्म संप्रदाय और समाजजनों ने माता-बहनों का पलक पावड़े बिछाकर ऐतिहासिक स्वागत कर मिसाल कायम की। जिस ऐतिहासिकता के लिए सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा जानी जाती है, धारा नगरी की धरा पर बही धर्म गंगा ने इसकी ऐतिहासिकता को सार्थक कर दिया।

कुलदीप सिंह बुन्देला के नेतृत्व मे निकली 20वी विशाल चुनरी कलश यात्रा

धार शहर में प्रति वर्ष शारदीय नवरात्रि में निकलने वाली चुनरी कलश यात्रा मध्यप्रदेश की यह पहली ऐसी चुनरी यात्रा है जिसमें सभी धर्म के लोगों की उपस्थिति रहती है इस चुनरी यात्रा का नाम ही सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा रखा गया है। 20 वर्ष पूर्व कांग्रेस के कद्दावर नेता, पूर्व विधायक स्व.मोहन सिंह बुन्देला ने इस यात्रा की शुरुआत की थी। यात्रा निकालने का उद्देश्य सिर्फ़ यह था कि सामाजिक एकता कायम रहे और शहर मे अमन,शांति बनी रहे। स्व.बुन्देला जी द्वारा डाली गई परम्परा का पालन करते हुए आज उनके पुत्र यात्रा आयोजक कुलदीप सिंह बुन्देला द्वारा 20 वी सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा कृष्णकांत पटेल की अध्यक्षता में निकाली गई जिसमें हजारों मातृशक्ति और पुरूष शामिल हुए। उक्त यात्रा बसस्टैंड से प्रारंभ हुई एवं शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मां गढ़कालिका मंदिर पहुंची। शहर मे 30 से अधिक मंचो द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया जिसमें मुस्लिम समाज, बोहरा समाज, सिक्ख समाज,पाटीदार समाज, माली समाज, माझी समाज ,राठौर समाज ,लोधा समाज एवं अन्य समाज ,व्यापारी संगठनो द्वारा स्वागत किया गया ।माता जी मंदिर पंहुच कर मां कालिका जी को परम्परा अनुसार चुनरी चढाई गई ।उसके पश्चात यात्रा मे पधारे सभी भक्तों,माताओं, बहनों को पाटीदार धर्मशाला मे फरियाल वितरण किया गया।

सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा में सत्यशील राव पंवार, अंतर सिंह दरबार पूर्व विधायक महू, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पर्वत सिंह चौहान , जिला पंचायत सदस्य कन्हेया लाल, डॉ.रमाकांत द्ववेदी लक्ष्मीनारायण पटेल, प्रमोद सेनापति ,कुलदीप सिंह डंग,नरेंद्र सिंह बुंदेला ,कमल सिंह देदला दरबार , धीरेंद्र दिघे ,शकील खान,मजहर हुसैन ,इब्राहिम भाई, जाहिद भाई, मोहन सिंह कुंवरसी, उदयराम पाटीदार, उदय सिंह पटेल , बाबू भाई , आनंदीलाल व्यास एड, बनेसिंह जावरा,राजेश आगल, मदन सिंह चौहान रमेशसिंह चौहान,बनेसिंह ठाकुर, बहादुर सिंह बुंदेला ,विश्वजीत सिंह ,शक्ति सिंह, वीरेंद्र सिंह चौहान,सुरेश पटेल,प्रेम पाटीदार,बंसी वर्मा,सुनील वर्मा,परमेश्वर रघुवंशी ,गोरधन बिरला, मोहन मकवाना,सोहन पटेल,बहादुर सिंह बुंदेला,विष्णु राठौर, ऋषिकांत भार्गव,शंकर ठाकुर, रोहित कामदार,जोगेंद्र बना,ईश्वर ठाकुर,जितेंद्र पटेल, कनीराम पटेल महावीर सिंह बुंदेला , देवराम प्रजापत ,अजय सोलंकी, राकेश ठाकुर ,मुकेश बाबा,रणवीर सिंह, मुकुलदीप सिंह बुंदेला,रमेश पाटीदार,बंसी मकवाना, हरी लश्करी ,किशोर सोलंकी,एवं हजारों भक्त शामिल हुए।

मोंटफोर्ट स्कूल में इंटर टैलेंट सर्च का हुआ आयोजन

भोपाल। सेंट मोंटफोर्ट स्कूल में मंगलवार को इंटर टैलेंट सर्च 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को दो श्रेणियों समूह गान तथा लोकनृत्य प्रतियोगिता में बांटा गया। कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के केजी 1 तथा केजी-2 के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल ब्रदर मोनाचन केके, वाइस प्रिंसिपल रेवरेंन ब्रदर ग्रीगोरी बाको रहे। जिसमें सभी नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुति दी। विजयी स्कूलों के छात्रों को उपहार दिये गए। समूहगान में पहला स्थान सेंटपॉल कोएड स्कूल, दूसरा डीपीएस, किड्सजोन व तीसरा स्थान द ओरिएंटल स्कूल ने प्राप्त किया। समूह नृत्य के विजेताओं में पहला स्थान कार्मेल कान्वेंट दूसरा, स्थान डीपीएस, किड्सजोन व तीसरा स्थान सेंटपॉल, स्कूल नेप्राप्त किया।

ओवरऑल ट्रॉफी कार्मेल कान्वेंट स्कूल को प्रदान कीगई। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया वहीं सिस्टर ग्रीटा और कोऑर्डिनेटर शाइनी जोसेफ मैम की इस प्रतियोगिता में सराहनीय भूमिका रही। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

आवक कम होने से 40 में बिकने वाला नारियल 70 से 90 का हुआ

इंदौर (नप्र)। हरे नारियल की कीमत में जबरदस्त उछाल आया है। अक्टूबर में कीमत 70 से 90 रुपए प्रति नग तक हो गई है। आमतौर पर इन दिनों हरे नारियल की कीमत 20 रु. से 25 रु. प्रति नग रहती है। गर्मी में 40-50 रु. नग हो जाती है, क्योंकि डिमांड ज्यादा रहती है। भाव बढ़ने का कारण आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में कम बारिश होना सामने आया है। इस बार सितंबर से हरे नारियल की आवक कम होना शुरू हो गई थी। सबसे बड़ी चोइथराम मंडी में जहां रोज 20 से 25 ट्रक नारियल की आवक होती थी, अब घटकर 5 ट्रक रह गई है। खेरची बाजार में भी ठेलों पर अब इनकी मात्रा काफी कम है। चोइथराम मंडी के बडे नारियल कारोबारी संजय जाट के मुताबिक, इस बार गुजरात में ज्यादा बारिश के कारण नारियल के पेड़ के फूल बड़ी संख्या में झड़ गए। इस कारण वहां से कम माल आ रहा है। दूसरी ओर, कर्नाटक में काफी कम बारिश हुई है। ऐसे में वहां से भी माल की आवक काफी कम है और कीमतें तेज हैं। यह शॉर्टेज इंदौर में ही नहीं, देश के कई हिस्सों में है। अक्टूबर में नारियल के भाव में इतनी तेजी पहली बार आई है।

खोपरा गोला और बुरादा की कीमतों में भी उछाल: सियागंज व्यापारी रोहित पाटीदार ने बताया, अगस्त में खोपरा के गोले का भाव 2500 रु. प्रति 15 किलो (कट्टा) था, अब कीमत 3800 रु. प्रति 15 किलो हो गई है। ऐसे ही खोपरे का बुरादा राखी पर 150 रु. से 165 रु. प्रति किलो था, अब कीमत 250 रु. से 275 रु. किलो हो गई है। पूजा में उपयोग में आने वाला नारियल पहले 20 रु. प्रति नग था, अब इसकी कीमत 25 रु. से 30 रु. प्रति नग है।

जिस स्कूल में बच्ची से रेप, उसकी कमान सरकारी प्रिंसिपल को

●इन्हीं के अंडर में रहेगा स्टाफ; सील स्कूल खुला, भोपाल में ऐसा एक्शन पहली बार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जिस स्कूल को 3 साल की बच्ची से रेप के बाद सील कर दिया गया था, उसकी कमान अब शिक्षा विभाग के पास पहुंच गई है। इसे अब सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल कंट्रोल करेंगे। 6 महीने यानी मौजूदा शिक्षा सत्र पूरा होने तक ऐसा होगा। इसके बाद स्कूल की मान्यता रद्द कर दी जाएगी। कलेक्टर ने प्रस्ताव भी सीबीएसई को भेजा है। इसे मंजूरी मिल गई है। डीईओ (जिला शिक्षा अधिकारी) नरेंद्र कुमार अहिरवार ने बताया, स्कूल में पढ़ने वाले 324 बच्चों के भविष्य के चलते ऐसा करना पड़ा है। सील स्कूल को फिर से खोला है। शासकीय हाईस्कूल जमुसरकलां (बैरसिया) के प्राचार्य विजेंद्र कुमार कटारे को स्कूल की कमान सौंपी है। मौजूदा शिक्षा सत्र यानी बाकी बचे अगले 6 महीने तक कटारे ही स्कूल का संचालन करेंगे। उन्हीं के अंडर में स्कूल का स्टाफ रहेगा।

चार साल तक चुनाव नहीं, तीन साल के लिए बैन

विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सिवनी के चार प्रत्याशियों ने नहीं दिया था खर्च का ब्यौरा

भोपाल (नप्र)। विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद खर्च का हिसाब नहीं देने वाले सिवनी जिले के 4 नेताओं के तीन साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। इन नेताओं ने चुनाव लड़ने के बाद तीस दिन की तय समय अवधि और इसके बाद कलेक्टर के नोटिस के बाद भी खर्च का ब्यौरा नहीं दिया था। इसलिए अब ये आगामी तीन साल तक सांसद, विधायक पद का चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। चुनाव आयोग द्वारा तीन साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध का हालांकि इन नेताओं पर कोई असर नहीं होने वाला है क्योंकि प्रदेश में अगले चार साल तक विधानसभा या लोकसभा चुनाव नहीं होना है। भारत निर्वाचन आयोग के सचिव विनोद कुमार द्वारा जारी आदेश में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित नेताओं में सिवनी जिले के लखनादौन विधानसभा सीट से प्रत्याशी रहे संतर वलारी,

गोविन्द सिंह, सिवनी विधानसभा सीट से कैंडिडेट मोहम्मद शादाब पटेल, अजय ओंकार सिंह बघेल ने विधानसभा चुनाव के एक माह के भीतर चुनाव खर्च का ब्यौरा नहीं दिया था जबकि इन्हें 2 जनवरी 2024 तक खर्च का पूरा हिसाब देना था। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने इन सभी प्रत्याशियों को 19 जुलाई 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया और 20 दिन के भीतर ब्यौरा देने के लिए कहा गया। इसके बाद भी इनके द्वारा जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद चुनाव आयोग को जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी भेजी है। आयोग ने इसके बाद इन चारों विधानसभा चुनाव प्रत्याशी रहे नेताओं के आगामी तीन साल चक सांसद या विधायक पद के किसी भी तरह के चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है।

इस आधार पर लिया फैसला

चुनाव खर्च का लेखा समय की भीतर और उस व्यवस्था के अंतर्गत नहीं दिया गया है जैसा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान है। खर्च का ब्यौरा नहीं दे पाने के पीछे कोई उचित कारण या न्यायोचित बात नहीं कर पाता है।

एमपी में अब 2028 में होंगे चुनाव: प्रदेश में अब विधानसभा चुनाव नवम्बर 2028 में होंगे। इसके बाद मई 2030 में लोकसभा के चुनाव होंगे। जिन नेताओं को तीन साल के लिए चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया गया है उनके इलाके में अब किसी निर्वाचित प्रतिनिधि की मृत्यु पर ही तीन साल में कोई चुनाव हो सकता है। जब नया चुनाव आएगा तब तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की समय सीमा बीतने के कारण ये सभी योग्य हो जाएंगे।

मध्य प्रदेश की जिला अदालत की टिप्पणी

'शादीशुदा रहते हुए किसी दूसरे के साथ संबंध रखना अनैतिक, चाहे महिला रखे या पुरुष'...

ग्वालियर (नप्र)। 'भारतीय समाज और विधि के अनुसार शादी एक पवित्र बंधन है और शादी के होते हुए किसी दूसरे के साथ संबंध रखना अनैतिक है। इस अनैतिकता को कानून का जामा पहनाने के लिए किया गया कोई अनुबंध भी अनैतिक ही माना जाएगा।' यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिला न्यायालय के न्यायाधीश ने दुष्कर्म के मामले को झूठा पाने पर आरोपित को बरी करते हुए कही। न्यायाधीश ने कहा कि कानून महिलाओं को अपराध से सुरक्षित करता है और अपराधी को सजा देता है, लेकिन कोई अगर अनैतिक संव्यवहार करे, चाहे महिला हो या पुरुष, वह व्यवहार कानून की दृष्टि में अवैध ही होगा।

दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने का यह था मामला

एक तलाकशुदा महिला द्वारा अभिषेक राजौरिया पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया था। इसकी सुनवाई के दौरान कोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि महिला उस व्यक्ति के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही थी। इसके साथ ही महिला ने युवक के साथ एक अनुबंध किया था, जिसमें युवक को उस महिला को हर महीने एक तय रकम देना थी। जैसे ही महिला को रकम मिलना बंद हुई, वैसे ही उसने युवक पर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि महिला 2015 में किसी अन्य व्यक्ति के साथ भी ऐसा कर चुकी है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने बचाव पक्ष के तर्कों और तथ्यों से सहमति जताते हुए युवक को दोषमुक्त कर दिया।

महिला ने पुलिस के सामने गढ़ी थी यह झूठी कहानी

महिला ने पड़ाव थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी वर्ष 1999 में हुई थी। पति शराब पीता था तो उसने पति को तलाक दे दिया और अपने पिता के साथ रहने चली गई। महिला के साथ उसकी एक 16 वर्ष और एक 11 वर्ष आयु की बेटी भी रहती है। इस दौरान महिला की पहचान अभिषेक नामक युवक से हुई। दोनों के बीच दोस्ती हुई तो महिला ने उससे काम दिलवाने की बात कही। युवक ने जून 2016 में काम दिलवाने के बहाने महिला को एक होटल में बुलाया और दुष्कर्म कर दिया। इसके बाद कई बार उसने महिला को शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। जब महिला ने शादी के लिए दबाव डाला तो युवक उसे टालने लगा। अप्रैल 2019 में महिला को पता चला कि युवक ने किसी और से शादी कर ली है। इसके बाद महिला ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

शासकीय शिक्षक संगठन के संस्थापक सदस्य आरिफ अंजुम का निधन

प्रदेशभर में शोकसभा आयोजित कर शिक्षक दे रहे अंजुम को श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। प्रदेशभर में शिक्षक अपने चहेते नेता आरिफ अंजुम को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अंजुम का 7 अक्टूबर को दमोह में हृदयगति रुकने से निधन हो गया है। अंजुम शासकीय शिक्षक संगठन के संस्थापक सदस्य, पूर्व अध्यक्ष एवं संगठन के प्रांतीय संयोजक थे। शिक्षकों ने उनके निधन पर दुख जताया। संगठन ने प्रदेशभर में शोकसभा आयोजित कर अंजुम को श्रद्धांजलि देने का निर्णय लिया था। इसका पालन करते हुए संगठन की जिला इकाई शहडोल, अनुपपुर, विदिशा, दमोह, छतरपुर, रायसेन, भोपाल

सहित अन्य जिलों में शिक्षकों ने अपने-अपने स्कूलों, संकुल, विकास खंड और जिला कार्यालयों में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी है। शिक्षकों ने कहा कि उन्होंने एक अच्छा मार्गदर्शन, शुभचिंतक और जुझारू नेता खो दिया है। संगठन के पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आरिफ भाई की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। हम सब उनके बताए रास्ते पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। वे एक कुशल विश्लेषक थे, उनकी विश्लेषण क्षमता अद्भुत थी, दूसरे संगठन के लोग भी उनकी इज्जत एवं सम्मान करते थे।

जन अभियान परिषद भोपाल के कर्मचारियों की मांग

●पुरानी सेवा अवधि जोड़कर क्रमोन्नति और 3600 ग्रेड-पे मांगा

भोपाल (नप्र)। जन अभियान परिषद में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने पुरानी सेवा अवधि जोड़कर क्रमोन्नति, 3600 रुपए ग्रेड-पे का लाभ देने और पदोन्नत करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिषद के संविदा कर्मचारियों को सेवा भर्ती नियम 2018 के तहत नियमित किया गया था। भर्ती नियम के तहत ही क्रमोन्नति एवं पदोन्नति की जानी चाहिए, जो नहीं दी जा रही है। सेमी गवर्मेंट एम्प्लाइज फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई का कहना है कि संविदा कर्मचारियों को जो दिया जा रहा है, वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। संविदा कर्मचारियों को उनकी नियमितीकरण दिनांक से क्रमोन्नति/पदोन्नति का लाभ देते हुए ग्रेड-पे 3200 के स्थान पर 3600 दिया जाए। साथ ही जन अभियान परिषद के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का एरियर सहित भुगतान किया जाए।

मोदी के ग्राम स्वराज ऑपरेशन की मॉनिटरिंग करेंगे सीएस

पंचायती राज योजनाओं में पारदर्शिता, नीति और रणनीति तय करने बनाई कमेटी

भोपाल (नप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने केंद्र सरकार की ग्राम स्वराज योजनाओं के क्रियान्वयन पर फोकस करने स्टेट ऑपरेशन कमेटी (राज्य संचालन समिति) गठित की है। यह कमेटी ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत योजनाओं की निगरानी करेगी। राज्य शासन ने भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय की राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) योजनाओं पर अमल के लिए यह कमेटी बनाई है। इसके अंतर्गत योजना के कार्यान्वयन के लिए रणनीति और नीति तैयार करने, योजना की निगरानी करने और हर लेवल पर पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का काम किया जाएगा। इस समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे।

ये अधिकारी शामिल रहेंगे समिति में

इस समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण, प्रमुख सचिव

समाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, वित्त, संचालक पंचायती राज, महानिदेशक या संचालक राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), अपर संचालय या संयुक्त संचालक पंचायती राज संचालनालय, समिति अध्यक्ष के अनुमोदन से दो विशेष आमंत्रित व्यक्ति सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास समिति में सदस्य सचिव होंगे।

राम पथ गमन कमेटी भी बना चुके हैं सीएस

इसके पहले सीएस जैन ने चित्रकूट से भगवान राम के लंका जाने के दौरान मध्यप्रदेश की सीमा में पड़ने वाले पदचिन्ह स्थलों के विकास के लिए भी कमेटी बनाई है। श्री राम पथगमन कमेटी में किए जाने वाले कामों और उनकी प्लानिंग को लेकर इस कमेटी द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। इसको लेकर बनाए न्यास के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हैं।

राजा बुंदेला ने पृथक बुंदेलखंड की मांग पर बिगुल बजाया, पदयात्रा की घोषणा

• उप्र व मप्र के बुंदेलखंड के 23 जिलों से होकर यह पदयात्रा गुजरेगी

नई दिल्ली। बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर ललितपुर से झांसी तक की पहले चरण की पदयात्रा 12 अक्टूबर से निकाली जाएगी। इस पदयात्रा को लेकर बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चे के संयोजक राजा बुंदेला ने बुंदेलखंड राज्य बनने तक यह जनजागरण अभियान जारी रखने का ऐलान किया। उन्होंने दिल्ली प्रेस क्लब में इस बारे में पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर उनके साथ झारखंड मुक्ति मोर्चे के उपाध्यक्ष रहे पूर्व सांसद सूरज मंडल, नोएडा के अपनों बुंदेलखंड ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश सक्सेना, बुंदेली सेना के संयोजक डॉ. आश्रय सिंह (यात्रा संयोजक), प्रीतम सिंह लोधी, इं. मोहम्मद परवेज़, संत गुप्ता, नसीरउद्दीन सिद्दीकी, विनय तिवारी, सुशील द्विवेदी, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए राजा बुंदेला ने उत्तर प्रदेश के बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, झांसी जिलों और मध्य प्रदेश के सागर, दतिया, छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ जिले तथा ग्वालियर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद का कुछ भू भाग मिलाकर पृथक बुंदेलखंड राज्य बनाए जाने की वकालत की। बुंदेलखंड विकास बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष और अभिनेता राजा बुंदेला लम्बे समय से पृथक बुंदेलखंड राज्य की लड़ाई में शामिल हैं और इसे लेकर उन्होंने राजनीतिक व अराजनीतिक दोनों तरीकों से आंदोलन का नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ राज्य बनाते समय केंद्र की अटलबिहारी वाजपेई सरकार ने आश्वासन दिया था कि जल्द बुंदेलखंड राज्य बनाए जाने की भी कार्यवाई होगी। 2014 में झाँसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद का चुनाव लड़ते समय पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी आश्वासन दिया था कि यदि वे जीतीं और पार्टी की सरकार बनी तो तीन साल के अंदर बुंदेलखंड राज्य का गठन कराएंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के एजेंडे में भी छोटे राज्य हैं तो फिर पार्टी को बुंदेलखंड राज्य के लिए पहल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की विरासत, संस्कृति, इतिहास, साहित्य भाषा, सभ्यता आदि अत्यंत समृद्ध, अनुपम तथा अन्य प्रांतों से भिन्न है। पर दो राज्यों में बंटे होने से यह क्षेत्र विपन्न है। बुंदेलखंड को अलग से स्वतंत्र पूर्ण राज्य की घोषणा के लिए हम संपूर्ण बुंदेलखंड वासियों ने पूर्णतः अहिंसक, शांतिपूर्ण आंदोलन प्रखर रूप से जागृत किया है। यह पदयात्रा उसी अभियान का अंग है। पहले चरण में इसे 23 अक्टूबर को झांसी में समाप्त किया जाएगा। उसके बाद दिसंबर में झांसी से उरई का अगला चरण निर्धारित है। यह पदयात्रा बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के बैनर तले है जिसमें बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा, बुंदेलखंड विकास परिषद, बुंदेलखंड सांस्कृतिक मंच, बुंदेलखंड क्रांति दल, बुंदेली सेना, बुंदेलखंड विकास सेवा समिति, बुंदेलखंड जनशक्ति मोर्चा, हमाओ बुंदेलखंड, नोएडा लोकमंच, बुंदेलखंड राष्ट्र समिति, बुंदेलखंड नवनिर्माण सेना, बुंदेलखंड जागृति संस्थान, बुंदेली वानर सेना, बुंदेलखंड मानस जन कल्याण समिति, बुंदेलखंड राज्य निर्माण संघर्ष समिति, बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ, क्षत्रिय महासभा, ब्राह्मण महासभा, करणी सेना, बुंदेलखंड राज्य निर्माण समिति, उत्तर प्रदेश व्यापार महासंघ, बुंदेलखंड मानस जन कल्याण समिति सहित दो दर्जन संगठन शामिल हैं।

उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए दिनेश कपूर सम्मानित

इंदौर। विनय उजाला राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में प्रशासनिक विभाग, पत्रकारिता व सामाजिक, खेल अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करके समाज को गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विनय उजाला राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में जनसंपर्क विभाग के दिनेश कपूर को उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभागीय जनसंपर्क कार्यालय के संयुक्त संचालक

आरआर पटेल, मनीष गुप्ता, अजय महिपाल सहित विनय उजाला आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में भोपाल पुलिस की बड़ी चूक

सीएम के गुजर वाले रूट पर ड्यूटी पर नहीं पहुंची पुलिस

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। सीएम के गुजर वाले रूट पर डीसीपी के आदेश के बाद भी कोहेफिजा थाने का पुलिस बल नहीं पहुंचा। जांच में पता चला है कि सेट पर मैसेज सुनने के बाद भी थाने में ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक ने इसकी जानकारी स्टाफ को नहीं दी। इस लापरवाही पर बुधवार को डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल ने कोहेफिजा थाने के प्रधान आरक्षक संदीप बाथम की एक साल के लिए वेतन वृद्धि को रोकने का आदेश जारी किया है। मामला मंगलवार रात का है। कोहेफिजा थाने से पुलिस बल को खानू गांव चौराहे पर जाने को कहा गया था। प्रधान आरक्षक संदीप बाथम ने किसी भी पुलिस कर्मी को ड्यूटी की जानकारी नहीं दी।डीसीपी रियाज इकबाल ने प्रधान आरक्षक की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश जारी किए हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने क्लियर किया यातायात, तब गुजरा सीएम का काफिला: डीसीपी ने आदेश में लिखा कि ड्यूटी के दौरान संदीप बाथम ने निर्देशों की अनदेखी की। यह पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा क्रमांक-64 (2) 04(4) का स्पष्ट उल्लंघन है। खानु गांव पॉइंट पर कोहेफिजा थाने से कोई कर्मचारी नहीं था। इस वजह से यहां भीड़भाड़ थी। ट्रैफिक में लगे बल ने यहां यातायात क्लियर कराया। इसके बाद सीएम का काफिला रवाना हो सका।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी विश्व डाक दिवस की बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व की सबसे बड़ी डाक व्यवस्था 'भारतीय डाक विभाग' के समस्त कर्मियों को विश्व डाक दिवस की हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि आज भारतीय डाक सेवाएं संचार का माध्यम बनने के साथ ई-कॉमर्स, बैंकिंग सुविधा एवं डिजिटल इंडिया जैसी अनेक सरकारी योजनाओं को नागरिकों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के निकट लाकर देश के विकास में अपना योगदान दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे संपदा - 2.0 का शुभारंभ

4 जिलों में सफल रहा संपदा 2.0 का पायलेट प्रोजेक्ट : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा, दस्तावेज पर लोन की जानकारी देखी जा सकेगी डिजिटली नोटिफिकेशन जारी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पंजीयन विभाग की नवीन तकनीक पर विकसित सॉफ्टवेयर संपदा -2.0 के ई-पंजीयन एवं ई-स्टॉम्पिंग का शुभारंभ गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में दोपहर एक बजे करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। विभागीय अधिकारियों से संपदा-2.0 की विशेषताओं पर चर्चा की। संपदा 2.0 का नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पायलेट प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन एवं नोटिफिकेशन जारी होने से अब देश में मध्यप्रदेश दस्तावेजों के पंजीयन एवं ई-स्टॉम्पिंग के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित हुआ है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि अप्रैल-2024 में 4 जिले क्रमशः गुना, हरदा, डिण्डोरी एवं रतलाम में पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत ई-पंजीयन एवं ई-स्टॉम्पिंग को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार चरणबद्ध तरीके से सॉफ्टवेयर पर दस्तावेजों के ई-पंजीयन एवं ई-स्टॉम्पिंग के लिये प्रदेश के समस्त जिलों में लागू किये जाने की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है। उक्त सॉफ्टवेयर द्वारा सम्पत्तियों का अंतरण, लोन इत्यादि दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण रूप से डिजिटली ही किया जायेगा। अगर उस दस्तावेज पर लोन लिया गया होगा, तो उसकी जानकारी भी इसमें देखी जा सकेगी। साथ ही सम्पत्ति की पहचान कस्टोडियम डिपार्टमेंट से की जायेगी। पंजीयकों की पहचान ई-केवाईसी के माध्यम से पूर्ण की जायेगी। इसमें घर बैठे पंजीयन एवं ई-स्टॉम्पिंग की सुविधा भी होगी।

प्रदेश में इस वर्ष 4.50 लाख विद्यार्थियों को वितरित की जा रही हैं साइकिल

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में इस वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 4 लाख 50 हजार साइकिलें निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। इसके लिये विभागीय बजट में 195 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। साइकिल वितरण का कार्य इस वर्ष नवम्बर तक पूरा किया जाने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिये गये हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थी, जो सरकारी स्कूलों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वह जिस ग्राम के निवासी हैं, उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक और हाई स्कूल संचालित न होने की वजह से विद्यार्थियों को सुविधाजनक तरीके से स्कूल पहुंचने के लिये साइकिल वितरित की जाती हैं।

हमारा मिशन - ईज़ ऑफ लिविंग

(पारदर्शी, प्रभावी और आधुनिक नागरिक सेवाएं)

ई-पंजीयन एवं ई-स्टैम्पिंग की नवीन प्रणाली

संपदा 2.0

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रदेश स्तरीय शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

10 अक्टूबर, 2024 | अपराह्न 1:00 बजे

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल (मध्यप्रदेश)

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

देश में पहली बार पूर्णत: पेपरलेस और फेसलेस पंजीकरण की सुविधा

रजिस्ट्री कराने के अब 3 विकल्प

- विशिष्ट प्रकार के दस्तावेजों के लिए बिना कार्यालय आए VC के माध्यम से रिमोट रजिस्ट्रेशन सुविधा द्वारा
- अन्य दस्तावेजों के लिए 24x7 उपलब्ध फेसलेस पंजीयन की व्यवस्था
- स्लॉट बुक कराकर निर्धारित तिथि एवं समय पर उप पंजीयक कार्यालय पहुंचकर

पूर्णत: पेपरलेस रजिस्ट्री

- रजिस्ट्री हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि पक्षकारों की जानकारी सीधे आधार से एवं भूमि/संपत्ति की जानकारी भू-अभिलेख और स्थानीय निकाय पोर्टल से प्राप्त की जाती है
- ई-मेल, व्हाट्स एप एवं डिजिलॉकर के जरिये दस्तावेज होंगे उपलब्ध

नागरिकों के लिए सुगमता

- संपदा पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से मॉडल डीड सहित अन्य दस्तावेज तैयार करने, स्टाम्प ड्यूटी की गणना, स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान/ई- स्टाम्प खरीद और स्लॉट बुकिंग अब एकदम आसान
- सहमति आधारित आधार सुविधा का उपयोग करने से नागरिकों की पहचान हेतु गवाह की आवश्यकता नहीं
- कलेक्टर गाइडलाइन दरें, स्टाम्प शुल्क, पूर्व पंजीकृत दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध होंगे

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

#संपदा2_MP D-11077/24